संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 179
पृष्ठ 8
शुक्रवार
20 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गले की खराश को मिनटों में...

विचार- एलपीजी संकट पर मोदी सरकार...

खेल- क्या 2027 के विश्वकप तक मुख्य...

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बोलीं-

श्रीराम को नमन करना और भारत मां का वंदन हमारे लिए एक जैसा

अयोध्या,संवाददाता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को राम मंदिर परिसर में श्री राम यंत्र की विधिवत स्थापना की। दोपहर 2 बजकर 50 मिनट पर मंदिर से बाहर निकलते हुए उन्होंने अपने संबोधन में घट-घटवासी राम, मुझमें राम, तुझमें राम, सबमें राम समाएं का संदेश देकर सामाजिक एकता और आध्यात्मिक भाव को मजबूत करने की अपील की। इस दौरान मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद राष्ट्रपति का काफिला आद्य शंकराचार्य द्वार से होते हुए एयरपोर्ट के लिए रवाना हुआ।

मार्ग में उन्होंने गाड़ी में बैठे हुए हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। राष्ट्रपति के दर्शन पाने के लिए सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान कलाकार कार्यकम की प्रस्तुति देते रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी देशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या में होना मेरे जीवन का कृतार्थ करने वाला पल है। मैं यहां पर आकर गौरवांवित हूं। राम मंदिर हमें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद हमें यह सौभाग्य का पल मिला है। राम मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा, मंदिर का ध्वजारोहण हमारे इतिहास की स्वर्णिम तिथियां हैं। मुझे श्रीराम यंत्र की स्थापना का अवसर मिला है। यह प्रभु श्रीराम की मेरे ऊपर कृपा का प्रतीक है। ऐसा मेरा मानना है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम को नमन करना और भारत मां का वंदन करना एक जैसा है। आज के इस अवसर पर हम संकल्प लें कि भारत मां के सम्मान और वैभव को शिखर पर ले जाएंगे।

श्रीराम यंत्र की स्थापना के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने श्रीरामलला के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने प्रभु श्रीरामलला की आरती उतारी और आशीर्वाद लिया। राष्ट्रपति ने पूरे विधि-विधान से श्रीराम यंत्र की स्थापना में भाग लिया। इस दौरान इस विशेष अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, सदस्य जगद्गुरु विश्व प्रसन्न तीर्थ और तीन आचार्य उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रों के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राम मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की पूजन के बाद स्थापना की।

अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी बोले-

जिसे अंधविश्वास कहा, वो अब राष्ट्र का गौरव

अयोध्या, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राम यंत्र की स्थापना से सनातन धर्म के प्रत्येक अनुयायी और प्रत्येक सच्चे भारतीय को आनंद की अनुभूति होती है। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत की आस्था को अंधविश्वास के नाम पर अपमानित किया जाता था, लेकिन वर्षों के कष्टों के बावजूद, लोगों की भक्ति कभी नहीं डगमगाई और न ही झुकी। आज, मंदिर में श्री राम यंत्र की स्थापना पूर्ण होने के अवसर पर की गई है, जिससे सनातन धर्म के प्रत्येक अनुयायी और प्रत्येक सच्चे भारतीय को आनंद की अनुभूति हो रही है। यही

भारत की सच्ची आस्था है।

योगी ने कहा कि वह आस्था जिसे पहले अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया था। इसका अपमान करने वाले वही लोग थे जो उत्तर प्रदेश या देश में सत्ता में थे। अब हम सभी गर्व महसूस कर सकते हैं। इस भक्ति ने वर्षों-वर्ष कष्ट सहे हैं, लेकिन कभी नहीं डगमगाई और न ही झुकी। उन्होंने आगे कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर केवल एक मंदिर नहीं है, बल्कि यह भारत के राष्ट्रीय मंदिर का प्रतीक बन गया है। योगी आदित्यनाथ ने नई पीढ़ी की देवी-देवताओं के प्रति श्रद्धा की सराहना करते हुए कहा कि यह नया भारत है और बदलता हुआ भारत है। नई पीढ़ी सही राह पर है।

ईडी की अर्जी पर केजरीवाल- सिसोदिया को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली मोहलत

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार (19 मार्च) को आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य को ईडी की उस याचिका पर जवाब देने के लिए समय दिया, जिसमें आबकारी नीति भ्रष्टाचार मामले में सभी को बरी करते समय विशेष न्यायालय द्वारा की गई कुछ प्रतिकूल टिप्पणियों को हटाने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने सभी आरोपियों को उनके वकीलों के अनुरोध पर समय दिया। ईडी की ओर से सहायक सरकारी वकील एसवी राजू और विशेष वकील जोहेब हुसैन उपस्थित हुए। शुरुआत में अभियुक्तों के वकील ने याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। इस पर हुसैन ने कहा कि उनके जवाब मंगवाने की कोई आवश्यकता नहीं है और सभी अभियुक्तों को याचिका की प्रति विधिवत रूप से दी जा चुकी है। राजू ने कहा कि अभियुक्त केवल कार्यवाही में देरी करना चाहते हैं और यदि एजेंसी के पक्ष में कोई आदेश पारित होता है तो उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा। न्यायधीश ने प्रतिवादियों के वकील से कहा कि मुझे समझ नहीं आ रहा। एक तरफ अभियोजन पक्ष कह रहा है कि निचली अदालत के न्यायाधीश ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर फैसला सुनाया है। मैंने उन्हें (पिछली तारीख को) बताया था कि मैं भी ऐसी टिप्पणियां करता हूं। मेरा मानना घ्था कि मुझे यह तय करना होगा कि न्यायाधीश ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर फैसला सुनाया है या नहीं। आप (आरोपी) ने कहा था कि आप जवाब दाखिल करेंगे। अब आप कह रहे हैं कि आपको 600 पन्ने पढ़ने हैं। आपको एक और हफ्ता चाहिए, तो ले लीजिए। दोपहर के भोजन के बाद के सत्र में जब मामले पर सुनवाई हुई तो अदालत ने केजरीवाल और अन्य को ईडी की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया। अदालत ने कहा कि चूंकि मैंने आदेश पारित कर दिया है, अगर वे कुछ कहना चाहते हैं तो कह सकते हैं। इसे 2 तारीख के लिए सूचीबद्ध किया जाए। हम सुनवाई करेंगे और फिर अंतिम आदेश पारित करेंगे। वे (ईडी) शुरू कर सकते हैं। हो सकता है कि आप (प्रतिवादी) उस तारीख को शुरू भी न करें।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा-

भविष्य के युद्धों में ड्रोन अहम, भारत को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा

नई दिल्ली,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने डिफेंस इंडिया स्टार्ट-अप चैलेंज (जीआईएससी) के 14वें संस्करण की शुरुआत की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज 100 से अधिक चुनौतियों के साथ डिफेंस इंडिया स्टार्ट-अप चैलेंज (डीआईएससी) का 14वां संस्करण भी शुरू किया गया है। डीआईएससी की अब तक की सफलता को देखते हुए, हमारे रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा पहली बार 100 से अधिक चुनौतियां प्रस्तुत की जा रही हैं। मैं डीआईएससी के नए संस्करण के लिए सभी नवप्रवर्तकों को शुभकामनाएं देता हूं। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य छोटे उद्योगों को रक्षा निर्माण की सप्लाई चेन से जोड़ना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब छोटे उद्योग बड़े रक्षा कार्यक्रमों का हिस्सा बनेंगे, तभी देश में नई खोज और तकनीक की रफ्तार तेज होगी। किसी भी देश के रक्षा तंत्र को मजबूत बनाने में बड़े उद्योगों के साथ-साथ MSMEs, स्टार्टअप और इनोवेटर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। इसमें सरकार की स्पष्ट नीतियां भी बड़ा योगदान देती हैं। उन्होंने कहा दुनिया के मौजूदा हालातों पर बात करते हुए राजनाथ सिंह ने रूस-यूक्रेन और ईरान-इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया इन संघर्षों को देख रही है। इनसे यह साफ हो गया है कि भविष्य की लड़ाइयों में ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक की भूमिका सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होने वाली है। इसलिए भारत को ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करना होगा, जिसमें हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता सिर्फ अंतिम उत्पाद तक सीमित नहीं होनी चाहिए। हमें ड्रोन के हर पुर्जे को भारत में ही बनाना होगा। ड्रोन का ढांचा (मोल्ड), सॉफ्टवेयर, इंजन और बैटरी सब कुछ स्वदेशी होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने स्वीकार किया कि यह काम आसान नहीं है। आज दुनिया के कई देश ड्रोन बनाने के लिए जरूरी पुर्जे चीन से मंगवाते हैं। लेकिन भारत की सुरक्षा और रणनीतिक मजबूती के लिए हमें ड्रोन निर्माण में पूरी तरह आत्मनिर्भर होना ही पड़ेगा। राजनाथ सिंह ने आधुनिक तकनीकों जैसे ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये तकनीकें पूरी दुनिया में मैन्युफैक्चरिंग का तरीका बदल रही हैं। उन्होंने कहा, सरकार का लक्ष्य है कि साल 2030 तक भारत स्वदेशी ड्रोन निर्माण का दुनिया में सबसे बड़ा केंद्र (ग्लोबल हब) बन जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मिशन में सरकार हर संभव मदद और सहयोग देगी।

राहुल का भाजपा पर बड़ा हमला, बोले-

नफरत की रोटी सेंक रही है

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तम नगर घटना के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर सांप्रदायिक हिंसा भड़काने का आरोप लगाया और दिल्लीवासियों से उकसावे का जवाब न देने का आग्रह किया।

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि उत्तम नगर के लोगों ने हिंसा की भारी कीमत चुकाई है – एक तरफ एक जवान लड़के, तरुण, की जान चली गई, दूसरी तरफ एक पूरा परिवार उत्पीड़न का सामना कर रहा है। उन्हें और खून-खराबा नहीं चाहिए। खून-खराबा केवल भाजपा और उसका इकोसिस्टम चाहता है, जो नफरत के तवे पर हिंसा की रोटी सेंकने के हर मौके का फायदा उठाता है। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि वो चाहते हैं कि देश हिंदू-मुसलमान में उलझा रहे, ताकि लोग यह न पूछ सकें कि आखिर प्रधानमंत्री देश की रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और सामरिक संप्रभुता को अमेरिका के हवाले करने पर क्यों मजबूर हैं – इसीलिए, दिन-दहाड़े देश की राजधानी में फिर से दंगों जैसे हालात खड़े किए जा रहे हैं। दिल्लीवासियों से अनुरोध है किसी बहकावे में न आएं – देश की शक्ति हमारी एकता, भाईचारे और मोहब्बत में है। जोड़ो जोड़ो, भारत जोड़ो।

इस बीच, दिल्ली उच्च न्यायालय ने हालिया सांप्रदायिक तनाव के बाद हिंसा की आशंकाओं के मद्देनजर ईद से पहले उत्तम नगर में पुलिस सुरक्षा की मांग करने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई निर्धारित की है।

सीएम ममता ने भाजपा को घेरा, बताया अघोषित आपातकाल

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और ठश्रच पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल को जान-बूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने 50 से ज्यादा वरिष्ठ अधिकारियों के तबादलों को घ्अघोषित आपातकालष करार दिया। एक्स पर पोस्ट लिखते हुए सीएम बनर्जी ने दावा किया कि जिस तरह से चुनाव आयोग ने बंगाल को अलग करके निशाना बनाया है, वह पहले कभी नहीं हुआ, यह बेहद चिंताजनक भी है। चुनावों की औपचारिक अधिसूचना जारी होने से पहले ही, मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी, एडीजी, आईजी, डीआईजी, जिला मजिस्ट्रेट और

पुलिस अधीक्षक समेत 50 से ज्यादा वरिष्ठ अधिकारियों को अचानक और मनमाने ढंग से हटा दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा यह कोई प्रशासनिक कार्रवाई नहीं है, बल्कि यह उच्चतम स्तर की राजनीतिक दखलंदाजी है। उन संस्थाओं का व्यवस्थित राजनीतिकरण, जिन्हें निष्पक्ष रहना चाहिए, संविधान पर सीधा हमला है। ऐसे समय में जब एक बेहद दोषपूर्ण एसआईआर प्रक्रिया चल रही है और 200 से ज्यादा लोगों की जान पहले ही जा चुकी है, आयोग का रवैया साफ तौर पर पक्षपात और राजनीतिक हितों के प्रति एक असहज समर्पण को दिखाता है, जिससे बंगाल के लोगों को लगातार खघ्तरा बना हुआ है।

ईद तक शांति बनाए रखने का निर्देश

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उत्तम नगर में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव के मद्देनजर पुलिस और नागरिक प्रशासन को शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस मामले की सुनवाई बुधवार को मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा होनी थी, लेकिन इसे गुरुवार को अदालत के समक्ष सूचीबद्ध किया गया। सुनवाई के दौरान, दिल्ली उच्च न्यायालय ने पुलिस और नागरिक प्रशासन को ईद से पहले शांति बनाए रखने और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि इसलिए हम क्षेत्र की पुलिस और नागरिक प्रशासन को निर्देश देते हैं कि वे कानून के तहत अनुमत सभी आवश्यक कार्रवाई करें ताकि स्थिति में कोई अप्रिय मोड़ न आए और ईद के त्योहार के शांतिपूर्ण और गरिमापूर्ण पालन के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित हो, जो संभवतः कल है।

मनीष तिवारी का मोदी सरकार को समर्थन, पश्चिम एशिया संघर्ष पर बोले- यह हमारा युद्ध नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने गुरुवार को पश्चिम एशिया संघर्ष पर केंद्र सरकार के संतुलित रुख का समर्थन करते हुए कहा कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से इस क्षेत्र में सीमित भूमिका निभाई है और उसे रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता देनी चाहिए। ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि संकट की व्यापकता और जटिलता को देखते हुए नई दिल्ली का सतर्क कूटनीतिक दृष्टिकोण उचित है। तिवारी ने इस बात पर जोर दिया कि यह क्षेत्र एक ही युद्ध नहीं बल्कि कई परस्पर विरोधी संघर्षों का गवाह है। उन्होंने कहा कि इजराइल और ईरान के बीच जो कुछ हो रहा है और अमेरिका का किसी एक पक्ष का साथ देना, केवल मध्य पूर्व की स्थिति का मामला नहीं है.. . यह हमारा युद्ध नहीं है। हम हमेशा से ही वृहत्तर मध्य पूर्व में हाशिए पर रहे हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत को उन भू-राजनीतिक लड़ाइयों में उलझने से बचना चाहिए जिनका उससे सीधा संबंध नहीं है। संयमित रहने के महत्व पर जोर देते हुए तिवारी ने कहा कि भारत सतर्क रहकर सही कदम उठा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अगर हम सतर्क हैं, तो शायद हम सही ही कर रहे हैं, क्योंकि रणनीतिक स्वायत्तता का यही अर्थ है – अपने हितों की रक्षा करने और सही दिशा में आगे बढ़ने की क्षमता। संकट की शुरुआत से ही भारत ने पूरे क्षेत्र में अपने हितों को संतुलित करते हुए लगातार संवाद और कूटनीति का आह्वान किया है। संघर्ष की शुरुआत 28 फरवरी को हुई जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान के अंदर समन्वित हमले किए, जिसमें कई स्थानों पर लक्ष्यों को निशाना बनाया गया।

पीपा पुल की चढ़ाई पर भूसा लदा ऑटो बेकाबू, अगला हिस्सा हवा में लटका

प्रयागराज। डेंगुरपुर–धनतुलसी गंगा घाट पीपा पुल की चढ़ाई पर बुधवार सुबह करीब 11 बजे भूसा लदा ऑटो अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार हो गया। अचानक संतुलन बिगड़ने से वाहन का अगला हिस्सा हवा में लटक गया। गनीमत रही कि चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली। बताया जाता है कि संत रविदास नगर भदोही के थाना कोइरौना क्षेत्र से भूसा लादकर ऑटो मांडा थाना क्षेत्र की ओर आ रहा था। महेवा कला की तरफ पीपा पुल की चढ़ाई पर पहुंचते ही वाहन असंतुलित हो गया और उसका अगला हिस्सा हवा में टंग गया, जबकि पीछे का हिस्सा भूसे के झाल के सहारे टिक गया।

कार की टक्कर से ट्रैक्टर चालक घायल, प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। मोहल्ला इमामगंज निवासी शिव शंकर ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना में पत्र बताया है कि वह ट्रैक्टर चालक है। बीते 15 मार्च को करीब एक बजे वह ट्रैक्टर को स्टेशन रोड लालगोपालगंज पर खड़ा करके आसपास मौजूद था। आरोप है कि इस दौरान बालू कारोबी शिव मूरत ने कार से टक्कर मार दी। इससे वह घायल हो गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने बीते 17 मार्च की रात कार नंबर चालक गुलशन निवासी इमामगंज कस्बा लाल गोपालगंज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

हाईकोर्ट की टिप्पणी– नियुक्ति से पहले दूसरी शादी दुराचार नहीं पर शिक्षक बनने की पात्रता खत्म

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सरकारी सेवा में आने से पहले की गई दूसरी शादी (यदि पति/पत्नी पहले से विवाहित हो) को दुराचार मानकर सजा नहीं दी जा सकती, लेकिन इससे नियुक्ति की वैधता पर गंभीर असर पड़ता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सरकारी सेवा में आने से पहले की गई दूसरी शादी (यदि पति/पत्नी पहले से विवाहित हो) को दुराचार मानकर सजा नहीं दी जा सकती, लेकिन इससे नियुक्ति की वैधता पर गंभीर असर पड़ता है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने रीना की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान की। कहा कि आचरण नियमावली केवल सेवा में कार्यरत कर्मचारियों पर लागू होती है। इसलिए नियुक्ति से पहले की घटनाओं के आधार पर अनुशासनात्मक दंड नहीं दिया जा सकता। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि यदि किसी महिला ने ऐसे पुरुष से विवाह किया है, जिसकी पहली पत्नी जीवित है तो वह उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा शिक्षक सेवा नियमावली–1981 के नियम 12 के तहत शिक्षक पद के लिए अयोग्य मानी जाएगी। इस तरह की कमी नियुक्ति की जड़ को प्रभावित करती है। नियुक्ति को शुरू से ही अवैध बना सकती है।

याची की नियुक्ति–2015 में मऊ में सहायक शिक्षक के रूप में हुई थी। बाद में शिकायत आई कि उसने 2009 में ऐसे व्यक्ति से विवाह किया था, जिसकी पहली शादी कायम है। इस आधार पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की ओर से जारी आदेश में उसकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं तो उसने आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने कहा कि यूपी सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली–1956 का नियम 29 केवल सेवाकाल के दौरान के आचरण पर लागू होता है। नियुक्ति से पहले की घटनाओं पर इसके तहत कार्रवाई नहीं की जा सकती। पात्रता से जुड़े नियम नियुक्ति को प्रभावित करते हैं, न कि अनुशासनात्मक दंड का आधार बनते हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि नियुक्ति धोखाधड़ी या तथ्य छिपाकर हासिल की गई हो तो अलग स्थिति हो सकती है पर ऐसे तत्वों के अभाव में सीधे दंड देना उचित नहीं है। हाईकोर्ट ने याची की सेवा समाप्ति का आदेश रद्द कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उचित नोटिस देकर नए सिरे से कानूनी आधारों पर दो महीने के भीतर फैसला लें।

निष्पक्षता से समझौता नहीं, भर्ती परीक्षा रद्द करने का फैसला सही, सभी 224 याचिकाएं खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी भी परीक्षा में निष्पक्षता से समझौता नहीं किया जा सकता। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा–2025 के परिणाम को निरस्त करने के फैसले को सही ठहराते हुए कुमारी लक्ष्मी समेत 224 अभ्यर्थियों की याचिकाएं खारिज कर दीं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी भी परीक्षा में निष्पक्षता से समझौता नहीं किया जा सकता। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा–2025 के परिणाम को निरस्त करने के फैसले को सही ठहराते हुए कुमारी लक्ष्मी समेत 224 अभ्यर्थियों की याचिकाएं खारिज कर दीं। कहा कि केवल लिखित परीक्षा का परिणाम घोषित होना अंतिम चयन नहीं माना जा सकता। क्योंकि, साक्षात्कार अभी बाकी था। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार को किसी त्रुटिपूर्ण और संदिग्ध परीक्षा प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। जांच में सामने आया कि प्रश्नपत्र लीक होने से सीमित संख्या में अभ्यर्थियों को लाभ मिला था, जो पूरी परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करता है। 910 पदों पर भर्ती के लिए अप्रैल 2025 में दो दिन 52 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा के तुरंत बाद पेपर लीक के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई। एसटीएफ जांच में गड़बड़ी की पुष्टि होने के बाद परीक्षा रद्द करने की सिफारिश की गई। कोर्ट ने कहा कि अभ्यर्थियों को नए सिरे से होने वाली लिखित परीक्षा में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जिसका कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है।

बीएसए को प्रबंध समिति के अस्तित्व पर टिप्पणी का कानूनी अधिकार नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बीएसए को किसी शिक्षण संस्थान की प्रबंध समिति के अस्तित्व पर टिप्पणी का कानूनी अधिकार नहीं है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने देवरिया के कृषक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिसई की प्रबंध समिति की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बीएसए को किसी शिक्षण संस्थान की प्रबंध समिति के अस्तित्व पर टिप्पणी का कानूनी अधिकार नहीं है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने देवरिया के कृषक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिसई की प्रबंध समिति की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। याची संस्था का आरोप था कि बीएसए की ओर से जनवरी 2026 को एक आदेश पारित किया गया। उसमें समिति के अस्तित्व पर सवाल उठाते हुए शिक्षकों के वेतन भुगतान के लिए 'सिंगल ऑपरेशन'का निर्देश दिया गया था। इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि विद्यालय में नए चुनाव संपन्न हो चुके हैं।

वाराणसी व मिर्जापुर रोड पर होगा पीडीए की सीमा का विस्तार, बैठक में हुए कई अहम फैसले

प्रयागराज। जिले में विकास का दायरा अब और विस्तार लेने जा रहा है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) 18 साल बाद अपनी सीमा का विस्तार करने जा रहा है।

जिले में विकास का दायरा अब और विस्तार लेने जा रहा है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) 18 साल बाद अपनी सीमा का विस्तार करने जा रहा है। बुधवार को पीडीए बोर्ड की बैठक में सीमा विस्तार के बारे में परीक्षण कर नियमानुसार कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त कार्यालय के गांधी सभागार में पीडीए की अध्यक्ष व मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल के नेतृत्व में हुई बोर्ड की बैठक में वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए 2519 करोड़ 79 लाख 27 हजार रुपये प्रारंभिक अवशेष सहित कुल आय व 2156 करोड़ 46 लाख 50 हजार के कुल व्यय के प्रस्तावित बजट का अनुमोनदन किया गया। साथ ही कई अन्य महत्वपूर्ण फैसले भी हुए।

चर्चा हुई कि वर्ष 2008 के बाद से पीडीए का सीमा विस्तार नहीं हुआ है, जबकि नगर निगम अपनी सीमा का विस्तार कर चुका है। आमतौर पर पीडीए की सीमा नगर निगम के मुकाबले पांच से छह किलोमीटर आगे रहती है, लेकिन सीमा विस्तार न होने से पीडीए काफी पीछे रह गया है। तय हुआ कि पीडीए की सीमा का विस्तार भी होना चाहिए। 18 साल में काफी विकास हुआ है।

वाराणसी रोड और मिर्जापुर रोड पर मुख्य मार्गों पर बहुत आगे तक प्लॉटिंग कराई जा रही है, लेकिन यह क्षेत्र पीडीए की सीमा से बाहर है। पीडीए के अफसरों ने कहा कि वाराणसी रोड पर भदोही के आसपास तक और मिर्जापुर रोड पर टोंस नदी तक पीडीए का सीमा विस्तार होना चाहिए। इस पर मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि इसका परीक्षण कर लिया जाए और नियमानुसार कार्रवाई शुरू की जाए।

पीडीए का लैंड बैंक भी काफी कम है, जिसकी वजह से आवासीय योजनाएं शुरू नहीं हो पा रही हैं। निर्णय लिया गया कि सेवानिवृत्त प्रशासनिक कर्मचारियों की एक टीम तैयार की जाए और उन्हें लैंड बैंक बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी जाए। वाराणसी विकास प्राधिकरण में इसी तर्ज पर काम किया जा रहा है। बैठक में डीएम मनीष कुमार वर्मा, पीडीए उपाध्यक्ष ऋषि राज, नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा, पीडीए सचिव अजीत सिंह, आवास एवं विकास परिषद के अधीक्षण अभियंता एमएच इकबाल, अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन व शासन से नामित सदस्य राजेंद्र मिश्र, रणजीत सिंह, कमलेश कुमार उपस्थित रहे।

पीडीए के पुराने फ्लैट होंगे सस्ते

प्रयागराज विकास प्राधिकरण की विभिन्न आवासीय योजनाओं में रिक्त फ्लैट अब सस्ते होंगे। शासन की ओर से 25 दिसंबर 2025 को लागू विकास प्राधिकरणों एवं आवास विकास परिषद की संपत्तियों की कास्टिंग के लिए आदर्श कास्टिंग गाइड लाइन (मूलभूत सिद्धांत) 2025 के प्रावधानों को अंगीकार किया गया। आदर्श कास्टिंग गाइड लाइन में कई तरह की छूट दिए जाने का प्रावधान है। ऐसे में पीडीए के रिक्त पड़े पुराने फ्लैट अब सस्ते हो जाएंगे।

पीडीए तैयार करेगा आर्किटेक्ट का पैनल

पीडीए उपाध्यक्ष ऋषि राज ने बताया कि पीडीए अब अपने आर्किटेक्ट का पैनल तैयार करेगा। चौराहों की डिजाइन कैसी होनी चाहिए, सौंदर्यीकरण के लिए और क्या किया जा सकता है, फ्लैट आदि की डिजाइन के बारे में आर्किटेक्ट के पैनल से सलाह ली जाएगी और नई योजना पर काम शुरू किया जाएगा।

पीडीए नहीं लेगा दो फीसदी कंटीजेंसी, हनुमान मंदिर पर करेगा खर्च

कुंभ के तहत लेटे हनुमान मंदिर के सौंदर्यीकारण का कार्य कराया गया था। इसके लिए पीडीए को दो फीसदी कंटीजेंसी की धनराशि दी जानी है। पीडीए ने तय किया है कि वह दो फीसदी कंटीजेंसी धनराशि नहीं लेगा और इस धनराशि को हनुमान मंदिर से जुड़े कार्यों पर खर्च करेगा।

पीडीए बोर्ड की बैठक से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण बिंदु

मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण एवं नई शहर प्रोत्साहन योजना के तहत प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर चर्चा की गई।

प्रयागराज महायोजना–2031 (पुनरीक्षित) में कुछ विसंगतियों के संशोधन संबंधी प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान करते हुए शासन को प्रेषित किए जाने के निर्देश दिए गए।

पीडीए की विभिन्न परियोजनाओं के अनुश्रवण, कार्यान्वयन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और विभिन्न विभागों/एजेंसियों के मध्य समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से एक प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट/एसेंसी के चयन के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की गई।

पीडीए में आउट सोर्सिंग के माध्यम से कार्मिकों की आपूर्ति किए जाने संबंधी प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

पीडीए के क्षेत्र में स्थित अर्बन सीलिंग भूमि एवं इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की जमीनों का लैंड ऑडिट, पीसीएस मैनेजमेंट कंसल्टेंसी से कराए गए गए कार्यों का अवलोकन किया गया और प्रस्तुत प्रस्ताव अनुमोदित किया गया।

शासन द्वारा समय–समय पर नियोजन के संबंध में जारी शासनादेश, पॉलिसी एवं बाईलॉज को अवलोकित/अंगीकृत किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

महाकुंभ–2025 के आयोजन के मद्देनजर शासन से वित्त पोषित एवं महाकुंभ–2025 के अंतर्गत सौंदर्यीकरण संबंधी व्यय मद, नगरीय अवस्थापना विकास निधि व स्मार्ट सिटी से वित्त पोषित कार्यों के तहत पीडीए द्वारा कराए गए कार्यों का अवलोकन किया गया।

हाईकोर्ट चौराहा (न्यायविद हनुमान जी चौराहा) के पुनर्विकास के कार्य के लिए व्यय धनराशि को स्मार्ट सिटी को वापस करने का औचित्य नहीं पाया गया।

शासन द्वारा विकास प्राधिकरणों के लिए मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि और मॉडल जोनिंग रेगुलेशंस–2025 (04 जुलाई 2025) को परिचालन के माध्यम से बोर्ड द्वारा अंगीकृत किए जाने की पुष्टि की गई।

कटऑफ से ज्यादा अंक पाने वाले अभ्यर्थियों को नियुक्ति का मौका दें

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग की असिस्टेंट ऑपरेटर (रेडियो) भर्ती–2005 से जुड़े मामले में अहम फैसला सुनाते हुए संशोधित परिणाम में कटऑफ से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग की असिस्टेंट ऑपरेटर (रेडियो) भर्ती–2005 से जुड़े मामले में अहम फैसला सुनाते हुए संशोधित परिणाम में कटऑफ से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे अभ्यर्थियों को नियुक्ति का अवसर दिया जाना चाहिए। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकल पीठ ने विभव सिंह और विक्रांत कुमार यादव की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया।

2005 की यह भर्ती प्रक्रिया अनियमितताओं के आरोपों के चलते पहले निरस्त कर दी गई थी। बाद में कोर्ट के निर्देश पर जांच कर संदिग्ध अभ्यर्थियों को अलग किया गया और संशोधित परिणाम घोषित किया गया। जांच में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को संदिग्ध पाया गया, जिसके बाद मेरिट लिस्ट में बदलाव हुआ।

याचियों की ओर से अधिवक्ताओं ने दलील दी कि प्रारंभिक मूल्यांकन में उत्तर कुंजी की त्रुटियों के कारण उनके अंक कम आंके गए थे। लेकिन, पुनर्मूल्यांकन के बाद उनके अंक बढ़े और वे चयन के दायरे में आ गए। संशोधित परिणाम में याचियों के अंक उनकी श्रेणी के कटऑफ से ऊपर थे। इसके बावजूद उन्हें नियुक्ति नहीं दी गई। कोर्ट ने निर्देश दिया कि याची दो सप्ताह में संबंधित प्राधिकारी के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत करें। प्राधिकारी दस्तावेजों का परीक्षण कर नियमानुसार नियुक्ति पर निर्णय लेंगे।

साथ ही कोर्ट ने कहा कि इसी तरह की स्थिति वाले अन्य अभ्यर्थी भी अभ्यावेदन दे सकते हैं, जिन पर नियमानुसार विचार किया जाएगा। हालांकि, यदि कोई अभ्यर्थी वर्तमान में अन्य विभाग में कार्यरत है तो उसे नई नियुक्ति से पहले इस्तीफा देना होगा। साथ ही पूर्व अवधि का वेतन नहीं मिलेगा, जबकि वरिष्ठता व अन्य सेवा लाभों पर अलग से निर्णय लिया जाएगा।

जवानी में उम्रकैद से बरी हत्यारोपियों को बुढ़ापे में हवालात, तत्काल रिहाई का आदेश

प्रयागराज। बाबुओं (लिपिक) की गलती के कारण 39 साल पहले जवानी में उम्रकैद से बरी दो हत्यारोपियों को बुढ़ापे में हवालात मिली। राज खुला तो बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उन्हें तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है।

बाबुओं (लिपिक) की गलती के कारण 39 साल पहले जवानी में उम्रकैद से बरी दो हत्यारोपियों को बुढ़ापे में हवालात मिली। राज खुला तो बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उन्हें तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह, न्यायमूर्ति देवेंद्र सिंह प्रथम की खंडपीठ ने ललितपुर निवासी शिवचरण और हजारी लाल की 39 साल पुरानी अपील पर सुनवाई करते हुए दिया है। गैर जमानती वारंट पर दोनों को ललितपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में हाजिर किया था।

मामला ललितपुर के पूराकलां थाना क्षेत्र का है। 1986 में ट्रायल कोर्ट से हत्या में मिली उम्रकैद को शिवचरण, हजारी लाल, जगन्नाथ व सरदार सिंह ने दो अलग–अलग आपराधिक अपील में चुनौती दी थी। 16 नवंबर 1987 को हाईकोर्ट की एक अन्य खंडपीठ ने सभी को निर्दोष पाते हुए बरी कर दिया था।

फाइलों में दब गया इन्साफ

हैरानी की बात यह रही कि 1987 में सुनाया गया दोषमुक्ति का फैसला कोर्ट के रिकॉर्ड में सही ढंग से दर्ज ही नहीं हो पाया। तब से अब तक अभिलेखों में केस लंबित दिखता रहा। हाल ही में जब यह पुराना मामला दोबारा लिस्ट हुआ और वकील पेश नहीं हुए तो कोर्ट ने फरवरी 2026 में दोनों के खिलाफ गैर–जमानती वारंट जारी कर दिया। इसके बाद पुलिस ने दोनों बुजुर्गों को गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में पेश किया।

सुनवाई के दौरान खुला राज

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि शिवचरण, हजारी लाल की ओर से दाखिल अपील का फैसला दूसरे आरोपियों जगन्नाथ व सरदार सिंह की अपील में पारित फैसलों में दर्ज था। लेकिन, लिपिकीय त्रुटि के कारण वह दूसरी फाइल में वह आदेश दर्ज नहीं हुआ। इसके कारण शिवचरण और हजारी लाल की फाइल लंबित मामलों की श्रेणी में शामिल हो गई। जब पुराने मामलों की सुनवाई शुरू हुई तो राज खुला। पता लगा कि पुलिस हिरासत में अदालत में पेश बुजुर्ग 39 साल पहले ही दोषमुक्त हो चुके हैं।

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि रजिस्ट्री के बाबुओं और वकीलों की चूक के कारण उन लोगों को हिरासत में लिया गया, जो दशकों पहले बरी हो चुके थे।
– इलाहाबाद हाईकोर्ट

पीस कमेटी की बैठक में बिजली और सेतु निगम का मुद्दा उठा

प्रयागराज। थाना परिसर में बुधवार को चौत्र वरात्र और ईदुल फितर को लेकर पीस कमेटी की बैठक हुई। इस दौरान इंस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी ने ईदगाह, मस्जिद और मेला स्थल पर अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की बात कही।कही। वहीं चौत्र नवरात्र में निशान ले जाते समय सौहार्द का ख्याल रखने की बात कही गई। चेयरमैन शोएब अंसारी ने सेतु निगम के एई सत्यनारायण पांडेय से कहा कि आवागमन के लिए ओवरसीज बैंक के पास निर्माण कार्य कराया जाए। इस पर सेतु निगम के एई ने कहा कि सुरक्षा के दृष्टि से वह हर सुझाव मानने को तैयार हैं। चेयरमैन ने नगर पंचायत क्षेत्र में जर्जर खंभों को बदलवाने की बात एसडीओ बहादुर सिंह से कही। मौके पर मेराज आरिफ, ग्राम प्रधान इफ्तिखार अहमद, सगीर अहमद, असजद अमीन, हकीम उद्दीन, जमील, शिवकुमार, मुलायम और तीरथ आदि मौजूद थे। वहीं सोरांव में सोरांव थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई।

'निजी परिसर में नमाज और धार्मिक आयोजनों पर रोक नहीं लगा सकते'

कोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा–सबका समान अधिकार

प्रयागराज। निजी परिसर में नमाज व धार्मिक आयोजनों पर रोक नहीं लगा सकते। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सभी धर्मों को समान अधिकार है। संभल निवासी याची ने प्रशासन के नमाजियों की संख्या सीमित करने के आदेश को चुनौती दी थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के निजी परिसर में प्रार्थना या धार्मिक आयोजनों पर रोक नहीं लगाई जा सकती है। अनुच्छेद–25 प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म को मानने, उसके अनुसार आचरण करने और प्रचार करने का समान अधिकार देता है। यह अधिकार सभी धर्मों और समुदायों पर समान रूप से लागू होता है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने रमजान के दौरान एक स्थल पर नमाजियों की संख्या सीमित करने के जिला प्रशासन के फैसले को चुनौती देने वाली संभल निवासी मुनाजिर खान की याचिका पर की। इससे पहले सुनवाई पर कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की थी। कहा था कि डीएम और एसपी कानून का शासन सुनिश्चित करने में सक्षम नहीं हैं तो इस्तीफा दे दें या ट्रांसफर करा लें। याचिका में मुनाजिर ने गाटा संख्या 291 पर एक स्थल को मस्जिद बताते हुए वहां नमाज अदा करने की अनुमति मांगी थी। उनकी ओर से दलील दी गई थी कि प्रशासन ने कानून–व्यवस्था का हवाला देकर नमाजियों की संख्या 20 तक सीमित कर दी थी। कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है कि निजी स्थान पर प्रार्थनाओं के खिलाफ कोई व्यक्ति या समूह आपत्ति जताता है तो प्रशासन को उसका संज्ञान लेना चाहिए। जरूरत पर पूजास्थल व उपासकों को सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के आधार पर ही इन अधिकारों पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, लेकिन किसी को अपने निजी परिसर में शांतिपूर्ण ढंग से इबादत करने से नहीं रोका जा सकता।

याचिकाकर्ता ने अपने दादा की ओर से 1995 में मस्जिद निर्माण के लिए समर्पित भूमि और वहां नमाज पढ़ने की अनुमति मांगी थी। साथ ही रमजान के महीने में नमाजियों की संख्या सीमित करने भी विरोध किया। हालांकि, कोर्ट ने वर्तमान स्थिति में उस संरचना को मस्जिद नहीं माना, लेकिन यह आदेश दिया कि वहां पहले से नमाज अदा की जाती रही है। इसलिए श्रद्धालुओं को वहां प्रार्थना करने से न रोका जाए। कोर्ट ने 'मैरानाथ फुल गॉस्पेल मिनिस्ट्रीज' बनाम उत्तर प्रदेश का हवाला देते हुए दोहराया कि निजी संपत्तियों में धार्मिक कार्यों को लेकर कोई हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। हाईकोर्ट ने भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता की प्रशंसा की। कहा कि गणतंत्र की ताकत सहनशीलता और आपसी सम्मान में निहित है। अनुच्छेद–25 न केवल आस्तिकों, बल्कि नास्तिकों को भी अपने विचारों के प्रचार की स्वतंत्रता देता है। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि इस आदेश की प्रति पुलिस महानिदेशक और अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को भेजी जाए, ताकि इसे जमीनी स्तर पर प्रवर्तन अधिकारियों तक प्रसारित किया जा सके।

प्राथमिकी दर्ज न करने पर अधिवक्ताओं में आक्रोश, कार्य बहिष्कार

प्रयागराज। तीन दिन पहले साथी पर हुए हमले की प्राथमिकी दर्ज न किए जाने से तहसील अधिवक्ताओं में पुलिसिया रवैए के प्रति गहरी नाराजगी व्याप्त है। अधिवक्ता परिषद हंडिया के अध्यक्ष राजेश्वरनाथ मिश्र व मंत्री सत्येंद्रनाथ पांडेय की अगुवाई में वकीलों ने कार्य बहिष्कार करके आक्रोश जताया। धारूपुर गांव निवासी अधिवक्ता प्रवीण शुक्ला का आरोप है कि बीते 16 मार्च को सुबह वह अपनी कार से अदालत जा रहे थे। रास्ते में ही परवा गांव के कई लोगों ने उन्हें रोक लिए। इसके बाद उनके साथ मारपीट की।

मारपीट के दौरान व्यक्ति का टूटा दांत

प्रयागराज। धामापुर अब्दालपुर गांव में रंजिश को लेकर हुई मारपीट में व्यक्ति का दांत टूट गया। भुक्तभोगी की तहरीर पर सोरांव पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। धामापुर अब्दालपुर गांव के रहने वाले अरुण कुमार यादव का आरोप है कि पड़ोसी कमलेश यादव, अमर यादव, गोविंद यादव व आशीष यादव रंजिश रखते थे। बीते सोमवार को देर रात अरुण कुमार यादव पर हमलाकर दांत तोड़ दिया। पीड़ित की तहरीर पर सोरांव पुलिस ने सभी चार आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

खेलो इंडिया महिला वॉलीबाल लीग 27 व 28 मार्च को

–पतंजलि ऋषिकुल स्कूल तेलियरगंज में होगी प्रयागराज की महिला लीग प्रतियोगिता

प्रयागराज। सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला सशक्तिकरण योजनाओं के अंतर्गत भारतीय वॉलीबाल महासंघ के निर्देशानुसार इस वर्ष उत्तर प्रदेश राज्य के पांच महानगरों में 'अस्मिता खेलो इंडिया महिला वॉलीबाल लीग' का आयोजन किया जा रहा है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए),प्रयागराज की अवैतनिक महासचिव आर.पी.शुक्ला ने बताया कि संगम नगरी की इस पावन धरती पर आगामी 27 एवं

ASMITA KHELO INDIA
Enpowering Women Through Volleyball

28 मार्च 2026 को स्थानीय तेलियरगंज स्थित पतंजलि ऋषिकुल स्कूल में ‟खेलो इंडिया महिला प्रयागराज वॉलीबाल लीग ‟ का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रयागराज जनपद स्थित किसी भी स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय आदि की महिला टीमें भाग ले सकती है। भाग लेने की इक्छुक टीमें अल्ताफ अली, अकांत गुप्ता अथवा मुकेश शुक्ला से संपर्क करके रजिस्ट्रेशन फार्म प्राप्त कर सकते है। क्योंकि समस्त टीमों को रजिस्ट्रेशन फॉर्म निर्धारित प्रारूप में भरना और ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।

एन.एस.एस. का यह संदेश, प्लास्टिक मुक्त बने यह देश

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई संख्या 28 के तत्वाधान में प्लास्टिक मुक्त देश अभियान के तहत जन जागरूक रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्घाटन सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रो० अजय प्रकाश खरे ने किया। इस रैली में सैकड़ों स्वयंसेवकों ने भाग

लिया एवं जन जागरूकता और प्लास्टिक मुक्त देश बनाने के लिए विभिन्न स्लोगन लिखे हुए पोस्टर हाथों को लेकर सीएमपी डिग्री कॉलेज से चंद्रशेखर आजाद पार्क तक नारा लगाते हुए गए। चंद्रशेखर आजाद पार्क पहुंचकर कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर चंदन कुमार ने प्लास्टिक मुक्त देश बनाने के लिए विभिन्न विकल्पों को छात्रों के साथ साझा किया साथ ही वहां सांस्कृतिक गतिविधियां भी हुई। उसके बाद जलपान हुआ जलपान के बाद से बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

लखनऊ यूनिवर्सिटी में आउटसोर्सिंग कर्मचारीयों का प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ यूनिवर्सिटी में कर्मचारियों ने आउटसोर्सिंग पर करने का विरोध किया है। नगर अध्ययन एवं पर्यावरण केंद्र के कर्मचारियों ने अधिकारियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि काम के दौरान अधिकारी मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। लगातार ऐसी स्थिति होने के बावजूद परिवार को पालने के लिए नौकरी कर रहे थे, लेकिन अब हम लोगों को लखनऊ यूनिवर्सिटी के क्षेत्रीय नगर अध्ययन एवं पर्यावरण केंद्र के कर्मचारी धरने पर बैठे अधिकारियों पर लगाया उत्पीड़न का आरोप।आउटसोर्सिंग पर नौकरी कर दी जा रही है, जिसके चलते हमारी नौकरी पर खतरा है हमारी मांग है। अस्थायी नहीं स्थायी नौकरी दी जाए। इसको लेकर वह विभाग के खिलाफ धरना दे रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि हम लोग यहां पर 20 सालों से कोई 15 साल और कोई आठ साल से काम कर रहा है। पर अब यह लोग आउटसोर्सिंग से हम लोगों को नियुक्त करेंगे। इसको लेकर विरोध हो रहा है।

नवरात्रि में भक्तिमय हुआ लखनऊ

लखनऊ, संवाददाता। चौत्र नवरात्रि के पहले दिन गुरुवार को राजधानी लखनऊ के प्रमुख देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मां दुर्गा के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच शहर का माहौल पूरी तरह भक्तिमय नजर आया। यहां लखनऊ समेत प्रदेशभर से देवी मां के दर्शन करने आ रहे हैं। शहर के विभिन्न मंदिरों में लंबी–लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। भक्तों को कोई परेशानी ना हो इसके लिए सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। चन्द्रिका देवी मंदिर के पंडित राम गोपाल दुबे का कहना है कि ये एक प्राचीन मंदिर है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन–पूजन के लिए पहुंच रहे हैं। नवरात्र के पहले दिन गुरुवार को भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही भक्त मंदिर में पहुंचने लगे समय बढ़ाने के साथ भक्तों की भीड़ बढ़ाने लगी। अब नवरात्र भर यहां मेला लगेगा। देवी दुर्गा का एक ही मंदिर है जिसकी वृहद मान्यता हैं। नवरात्र भर भक्त परिवार संग माँ दुर्गा के दर्शन कर उपासना करेंगे और माता दुर्गा से मन्नते मांगेंगे। बताया जाता है कि प्राचीन परंपरा के अनुसार यहाँ जो भक्त कराही (पूड़ी लपसी का चढ़ावा) देता है सकी मान्यता देवी मां अवश्य पूरा करती हैं। जिस भक्त की मान्यता पूरी हो जाती है। और मान्यता के अनुसार लोग अपने बच्चों का मुंडन कराते हैं तो यही चढ़ावा चढ़ते हैं। उनका कहना है कि यहां जो भी भक्त सच्चे मन से मन्नत मांगता है, उसकी मनोकामना जरुर पूरी होती है। नवरात्रि एवं आगामी त्योहारों के मद्देनजर लखनऊ में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार ने बताया कि सभी प्रमुख मंदिरों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

नवरात्रि के पहले दिन सफाई देखने निकली महापौर, लोगों से किया फीडबैक

लखनऊ, संवाददाता। नवरात्रि के पहले दिन शहर की स्वच्छता को चुस्त–दुरुस्त बनाए रखने के उद्देश्य से महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने विभिन्न जोनों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान शहर के प्रमुख चौराहों, मंदिरों, नालों और सार्वजनिक स्थानों की साफ–सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

हनुमंत निकेतन में गूंजा सामवेद शंखनाद, भव्य 'नव वर्ष उद्घोष' के साथ हुआ विक्रम संवत 2083 का स्वागत

प्रयागराज। हनुमंत निकेतन, सिविल लाइंस, प्रयागराज में आज हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत 2083 के उपलक्ष्य में "सामवेद शंखनाद एवं नव वर्ष उद्घोष" का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन संपन्न हुआ। प्रातः 5 बजे से प्रारंभ हुए इस आयोजन में श्रद्धा, भक्ति एवं सनातन संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर नव वर्ष के प्रथम सूर्योदय के साक्षी बने।

कार्यक्रम का शुभारंभ ईश वंदन से हुआ, जिसके पश्चात वेद विद्यालय के बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ स्वस्ति वाचन किया गया। सामवेद की मधुर स्वर लहरियों एवं शंखनाद से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत–प्रोत हो उठा। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित कर नव वर्ष का स्वागत किया, जिससे पूरे परिसर में भक्ति और उत्साह का वातावरण व्याप्त रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनंत श्री विभूषित महंत यमुना पुरी जी महाराज (सचिव, श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी एवं प्रबंधक, माँ अलोपी देवी मंदिर) की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की। उन्होंने अपने आशीर्वचन में कहा कि नव संवत्सर हमें धर्म, सेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है तथा सनातन मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश देता है।

आयोजक सृजन हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. बी.बी. अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि नव वर्ष केवल तिथि परिवर्तन नहीं, बल्कि हमारी सनातन परंपरा की नई चेतना और सांस्कृतिक जागरण का पर्व है। इस आयोजन में सह–आयोजक के

रूप में श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज, प्रयागराज की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम में श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज के अध्यक्ष पियूष रंजन अग्रवाल ने अपने संबोधन में समाज की एकता एवं संस्कृति के संरक्षण पर बल दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, महामंत्री अभिषेक मित्तल, हरीश चंद अग्रवाल (बिल्लू भैया), आशीष अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, अजीत बंसल, मुरारी लाल अग्रवाल एवं राकेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

वहीं अग्रवाल युवा मंडल के अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल के नेतृत्व में सौरभ अग्रवाल, सीए सचिन अग्रवाल, अंकित अग्रवाल (सह मंत्री) एवं अंकित अग्रवाल (कार्यालय प्रभारी) सहित अन्य सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री सुबंधु जी (विभाग प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में विक्रम संवत की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए भारतीय परंपराओं को अपनाने का संदेश दिया। पूरे कार्यक्रम का प्रभावी एवं गरिमामयी संचालन अग्रवाल युवा महिला मंडल की महामंत्री डॉ. कीर्ति अग्रवाल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर 'पर्वपत्रिका' (संवत 2083) के 14वें संस्करण का विमोचन महंत यमुना पुरी जी महाराज के करकमलों द्वारा किया गया, जिसमें पत्रिका के संपादक आचार्य अमित बहोरे जी के योगदान की सराहना की गई।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. सविता अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, आयोजकों एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने बताया कि ऐसे आयोजन समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने और सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रातः 5 बजे से प्रारंभ होकर लगभग 7 बजे तक चले इस कार्यक्रम के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए चाय–पानी की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम का समापन "जय श्री राम, जय हनुमान" के उद्घोष एवं नव वर्ष की मंगलकामनाओं के साथ हुआ।

श्रीमद् भागवत कथा का समापनः हजारों श्रद्धालुओं ने विशाल भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया

बलदेव। कस्बा स्थित रीढ़ा मोहल्ला में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का समापन हो गया। कथा के समापन के बाद एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।कथा के समापन दिवस पर आयोजित सामूहिक हवन में श्रद्धालुओं ने आहुति देकर आम जनमानस और विश्व कल्याण की प्रार्थना की। शाम को नगर परिक्रमा हुई।

भागवत प्रवक्ता आचार्य मनीष गर्गाचार्य ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव जीवन को धर्म, प्रेम और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाली दिव्य साधना है।

इस अवसर पर परीक्षित श्याम सुन्दर अग्रवाल,रेखा अग्रवाल, उपज जिलाध्यक्ष अतुल जिंदल,उमेश अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, अजय सिकरवार, माधव तेहरिया, चंद्रपाल सिंह, विनय अग्रवाल, देव अग्रवाल, अखिलेश पाठक, बंटी पहलवान,अजीत पहलवान, राधिका चौधरी,पवन गोयल,रवेंद्र

सिंह,बच्चू सिंह,सतेंद्र पहलवान,ओमप्रकाश गर्गाचार्य, रवि गर्गाचार्य,गोविंद सेठ,अनुज उपमन्यु,राजेश पाठक,सुरेन्द्र चौधरी,शिवा उपाध्याय ,देवेंद्र तिवारी, बंटी अभि मैरिज होम,सुदीप बंसल, भोला सेठ,शुभम अग्रवाल,रिंकू सेठ,हरिओम दादा,सोनू सिकरवार सभासद,राकेश सेठ,सुशील वर्मा,दिलीप वर्मा,सोनू भैया,युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में कस्बावासियों व सहयोगियों ने बढ़–चढ़कर सहयोग किया और पूरे आयोजन को भक्ति, श्रद्धा और सेवा भाव के साथ संपन्न कराया।

प्रेम, ईर्ष्या और विश्वासघात की त्रासदीः ऑथेलो

प्रयागराज में हुआ शेक्सपियर के कालजयी नाटक का प्रभावशाली मंचन

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में 19 मार्च को "जेम जेपतक ठमसस" (द थर्ड बेल) संस्था द्वारा महान नाटककार विलियम शेक्सपियर के विश्व प्रसिद्ध नाटक ऑथेलो का सफल एवं प्रभावशाली मंचन किया गया। इस प्रस्तुति की परिकल्पना एवं निर्देशन वरिष्ठ रंग निर्देशक आलोक नायर ने किया। ऑथेलो , एक वीर सेनापति की मार्मिक कथा है, जो अपनी पत्नी डेस्डिमोना से अत्यंत प्रेम करता है। किंतु उसका सहयोगी इयागो, ईर्ष्या और द्वेषवश उसके जीवन में संदेह का विष घोल देता है। इयागो की कुटिल साजिशों के चलते ओथेलो अपनी ही पत्नी के चरित्र पर संदेह करने लगता है और अंततः क्रोध व भ्रम में आकर डेस्डिमोना की हत्या कर देता है और जब सत्य उजागर होता है, तो पश्चाताप से व्यथित ओथेलो स्वयं अपना जीवन समाप्त कर लेता है, इस प्रकार नाटक का दुखान्त होता है। मंचन में कलाकारों ने अपने–अपने पात्रों के साथ पूर्ण न्याय किया। ऑथेलो की भूमिका में यश मिश्रा , इयागो के रूप में अभिषेक गिरि , कैसियो की भूमिका में शुभेंद्रू कुमार तथा मॉन्टेनो की भूमिका में शिवांक द्विवेदी ने सशक्त अभिनय प्रस्तुत किया। रोड्रिगो के पात्र को निमिष गुप्ता ने जीवंत किया। साथ ही अतुल कुशवाहा, वरिष्ठ रंगकर्मी शैलेश श्रीवास्तव , तथा वॉरियर के रूप में पृथ्वीराज शर्मा और विवेकानंद पाण्डेय ने प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। महिला पात्रों में शालिनी मिश्रा ने डेस्डिमोना और उपासना तिवारी ने एमिलिया के किरदार को अत्यंत सशक्त और भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक के मंच निर्माण की ज़िम्मेदारी शिवांक, श्वेताँक मिश्रा तथा शुभेंद्रु ने निभाई, जिसकी प्रशंसा दर्शकों ने की। नाटक के चरित्रों की वेशभूषा प्रशंसनीय रही, जिसकी ज़िम्मेदारी निभाई वरिष्ठ रंगकर्मी ऋतिका अवस्थी ने , नाटक के मंचन को विविध रंगों के संयोजन से प्रकाशित किया टोनी सिंह ने तथा संगीत संयोजन अश्विन पाण्डेय द्वारा किया गया, जबकि रूप–सज्जा हामिद अंसारी की रही।प्रस्तुति नियंत्रक रविंद्र वर्मा रहे तथा सह निर्देशन की भूमिका में शुभेंद्रु कुमार रहे। अपनी धारा प्रवाह भाषा शैली से उद्घोषक के रूप में डॉ अशोक शुक्ला जी की भूमिका प्रशंसनीय रहीं। शहर के कई वरिष्ठ रंगकर्मी एवं बुद्धिजीवी दर्शक इस मंचन के दौरान उपस्थित रहे। भावनाओं की गहराई और प्रभावशाली अभिनय से सजी इस प्रस्तुति ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। अंत में सभागार दर्शकों की जोरदार तालियों से गूंज उठा, जो इस सफल मंचन का प्रमाण था।

पुनर्निर्मित रेलवे यूनियन भवन का उद्घाटन, डिप्टी सीएम और महापौर ने फीता काटा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के आर्य नगर, नाका हिंडोला स्थित पुनर्निर्मित नार्दर्न रेलवे मेन्स यूनियन भवन का आज भव्य उद्घाटन किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल और एआईआरएफ के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम को नव संवत्सर के साथ जोड़कर आयोजित किया गया, जिससे इसका महत्व और बढ़ गया। सुबह से ही यूनियन से जुड़े कर्मचारी और पदाधिकारी बड़ी संख्या में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने लगे थे। माहौल पूरी तरह उत्सव जैसा रहा। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस तरह के भवन कर्मचारियों के संगठन और कामकाज को मजबूत बनाते हैं।

प्रेम बिना कुछ भी नहीं

(छप्पय)

कथनी–करनी एक, साधु के द्वारे दिखती।
खुलती जहाँ किताब, धर्म की बातें करती।
मानवता के तीर्थ, मौन धारण कर कहते।
साझा करते बात, सदा वे हँसते रहते।
व्रत,संयम अध्याय का, पहला पावन पृष्ठ है।
रोचकता के साथ में, जिसमें सब कुछ दृश्य है।।

भ्रम अरु भय से दूर, आत्म– चिंतन की धारा।
माया को रख पास, करे जो सदा किनारा।
बादल–सा फैलाव, वृष्टि अरु गर्जन जिसमें।
जिसकी जैसी सोच, उसी–सा रहता उसमें।
खुलकर कहता है हृदय, चिंतन मौन विवेक है।
प्रेम बिना कुछ भी नहीं, कहिए मत अतिरेक है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

चैत्र नवरात्रि एवं हिन्दू नववर्ष पर उपमुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी बधाई व शुभकामनायें

लखनऊ, संवाददाता। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पावन पर्व चौत्र नवरात्रि एवं भारतीय हिन्दू नववर्ष के शुभ अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह पावन पर्व आदिशक्ति माँ जगदम्बा की उपासना, श्रद्धा और आत्मशक्ति के जागरण का प्रतीक है। चैत्र नवरात्रि हमें सकारात्मक ऊर्जा, संयम, साधना और नवचेतना का संदेश देता है, हिन्दू नववर्ष भारतीय संस्कृति, परंपरा और नवआरंभ का प्रतीक है। श्री मौर्य ने कहा कि माँ दुर्गा की आराधना से जीवन में साहस, शक्ति और आत्मविश्वास का संचार होता है। यह पर्व हमें समाज में सद्भाव, सेवा और समर्पण की भावना को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है।उन्होंने कामना की कि माँ जगदम्बा की असीम कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य का वास हो। प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर रहे तथा प्रत्येक नागरिक के जीवन में उन्नति, खुशहाली और कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो।उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि इस पावन अवसर पर सभी लोग आपसी भाईचारा, सामाजिक सौहार्द एवं स्वच्छता का संकल्प लेते हुए उत्सव को श्रद्धा, सादगी और उल्लास के साथ मनाएं।

बच्चों के आकर्षण का केंद्र बनी पूर्वोत्तर रेलवे की शताब्दी वर्ष हेरिटेज प्रदशनी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के लखनऊ जंक्शन के शताब्दी वर्ष में भारतीय रेलवे के इतिहास से सम्बन्धित एक हेरिटेज प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जो कल दिनांक 20 मार्च तक चलेगी। हमारी विरासत प्रदर्शनी का आयोजन पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के चारबाग स्थित लखनऊ जंक्शन स्टेशन पर किया गया है। प्रदर्शनी में रेलवे के पुरातन गौरवशाली इतिहास के साथ आज की आधुनिकतम् रेलवे का सजीव प्रदर्शन किया गया है। जो स्कूली बच्चों के साथ–साथ आज के बड़ों के लिए भी प्रमुख आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जखनऊ जंक्शन पंहुॅच रहे है। हेरिटेज प्रदर्शनी में भाप से चलने वाला नेरो गेज का इंजन ऐरावत लोगों के लिए सेल्फी प्वांइट का केन्द्र बना है। लोग भारतीय रेलवे से रिप्लेस या विलुप्त हो चुके अनेक उपकरणों तथा पुरानी कार्य प्रणाली के साथ आज की आधुनिकतम उपकरणों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर रहे है। लखनऊ जंक्शन के उप–स्टेशन अधीक्षक ने बताया कि अबतक सैकड़ों की संख्या में विभिन्न विद्यालयों के बच्चो ने इस हेरिटेज प्रदर्शनी का भ्रमण किया है। आज राजाजीपुरम् स्थित सेंट जोसेफ मॉन्टेसरी स्कूल के कक्षा आठ व नौ के साठ बच्चों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। बच्चों तथा आमलोगों को विस्तार से सम्झााने के जिये पूर्वोत्तर रेलवे ने लोगों की पूरी टीम लगा रखी है।

विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 02887/02888 राँची-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 02887			गाड़ी संख्या - 02888	
राँची - आनन्द विहार टर्मिनल			आनन्द विहार टर्मिनल - राँची	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
......	16:25	राँची	19:10	......
01:35	01:37	सोनभद्र	09:55	09:57
03:30	03:35	चुनार	07:50	07:55
04:28	04:30	मिर्जापुर	07:03	07:05
06:00	06:05	सूबेदारगंज	05:30	05:35
08:40	08:45	गोविन्दपुरी	02:30	02:35
11:50	11:52	टूण्डला	23:30	23:32
18:00	......	आनन्द विहार टर्मिनल	......	19:30

• राँची से गाड़ी संख्या 02887, बुधवार, दिनांक : 25.03.2026
• आनन्द विहार टर्मिनल से गाड़ी संख्या 02888, गुरुवार, दिनांक : 26.03.2026

गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी : 02, स्लीपर श्रेणी : 16, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी : 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी : 01

नोटः ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 612/26 AS)

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 11820252026-262 दिनांक: 17.03.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएं निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 10.04.2026 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.: 1	निविदा नं.: 262
कार्य का विवरण: मण्डल इन्जीनियर/ट्रैक/उ.म.रे./प्रयागराज अंतर्गत प्रयागराज मंडल में फेज्ड ऐरे अल्ट्रा सोनिक परीक्षण (पीएयूटी) द्वारा सभी प्रकार के रेलों के फ्लैश बट वेल्डेड का यूएसएफडी परीक्षण करना।	
अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 39549375/-	कार्य समापन की अवधि: 12 माह
बयाने की रकम (रू): ₹ 791000/-	निविदा खुलने की तिथि: 10.04.2026

सिमिलर कार्य के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: (1) फर्म के पास आरडीएसओ द्वारा सत्यापित पीएयूटी वेल्ड परीक्षक होना चाहिए। (2) फर्म के पास आईआरएस टी-53 में वर्णित पारंपरिक यूटी विधि द्वारा वेल्ड परीक्षण के लिए आरडीएसओ प्रमाणित यूएसएफडी ऑपरेटर होंगे। उपरोक्त के अलावा ऑपरेटर के पास चरणबद्ध ऐरे अल्ट्रासोनिक वेल्ड परीक्षक के संचालन और डेटा विश्लेषण के लिए अपेक्षित प्रशिक्षण पूरा करने के बाद ओईएम द्वारा जारी योग्यता प्रमाण पत्र होना चाहिए। (3) फर्म के पास चरणबद्ध ऐरे अल्ट्रासोनिक वेल्ड परीक्षक द्वारा एफबी वेल्ड के अल्ट्रासोनिक परीक्षण के लिए आरडीएसओ सत्यापित गुणवत्ता आश्वासन योजना (क्यूएपी) होनी चाहिए। (4) आईआर नेटवर्क पर फर्म द्वारा उपयोग किए जाने वाले प्रस्तावित पीएयूटी वेल्ड परीक्षक को फ्लैश बट (एफबी) वेल्ड के यूएसएफडी परीक्षण के लिए किसी अन्य रेलवे नेटवर्क पर सेवा में होना चाहिए और कम से कम 5000 एफबी वेल्ड का संतोषजनक यूएसएफडी परीक्षण करना चाहिए। प्रदर्शन। फर्म को इस संबंध में 5000 एफबी वेल्ड के यूएसएफडी परीक्षण के संतोषजनक प्रदर्शन का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। (5) मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) फर्म निविदा में भाग लेने के लिए पात्र होगी। हालांकि, यदि ओईएम फर्म भारत में स्थित नहीं है, तो कोई भी अधिकृत भारतीय सेवा प्रदाता या प्रतिनिधि निविदा में भाग ले सकता है।

नोट:- (1) आनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। (2) पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 614/26(A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

आदत बनता सोशल मीडिया, लगाम आवश्यक

बचपन की मासूमियत निगलती सोशल मीडिया की लत विश्व भर में चर्चा का विषय बन चुकी है। बच्चों तथा किशोरों पर सोशल मीडिया के प्रयोग संबंधी पाबंदी लगाने की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया से होती हुई फ्रांस, इंडोनेशिया, स्पेन, नार्वे, ग्रीस जैसे कई देशों तक जा पहुंची है। गत दिनों भारत के आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक भी इस मुद्दे पर आवाज उठाते नजर आए। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने 13 साल से कम बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंधित करने की बात कही, जबकि कर्नाटक सरकार की घोषणा अनुसार, निर्धारित आयु सीमा 16 वर्ष रहेगी। वैश्विक नैटवर्किंग, व्यापक व्यापार तथा विपणन अवसरों, सहज अंतरूक्रिया और विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर सूचना सांझाकरण में बहु–उपयोगी सिद्ध हो रहे सोशल मीडिया का दरअसल, एक स्याह पक्ष भी है, जिसमें गोपनीयता संबंधी चिंताएं, ध्यान भटकना, गलत सूचना और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव आदि समस्याएं उभरकर सामने आ रही हैं। विशेषकर बच्चों तथा किशोरों में सोशल मीडिया के प्रति अनवरत बढ़ता आकर्षण न केवल लत बनकर उनकी सेहत निगल रहा है, अपितु असामाजिक तत्वों द्वारा उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा में सेंध लगाने का जरिया भी बन रहा है। मनोवैज्ञानिकों एवं बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय में, सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग बच्चों के मानसिक तथा भावनात्मक विकास को बहुत प्रभावित कर सकता है। मस्तिष्क विकास के दृष्टिगत किशोरावस्था का प्रारंभिक चरण अत्यधिक संवेदनशील होता है, जोकि सामाजिक दबावों, साथियों के विचारों आदि से काफी हद तक प्रभावित हो सकता है। वास्तव में, सोशल मीडिया का लगातार उपयोग भावनाएं–आवेग नियंत्रित करने वाले क्षेत्रों में विशेष परिवर्तन ला सकता है, जिससे सामाजिक संकेतों के प्रति संवेदनशीलता बढने से हृदय अधिक भावुक या दुखी हो सकता है। ऑनलाइन ध्यामकाया जाना अथवा साथियों का दबाव (पीअर प्रैशर) किशोरों को तनाव अथवा आत्मघाती विचारों की ओर मोड़ सकता है। आधुनिक बच्चों के व्यवहार में अधीरता, आक्रामकता, चिड़चिड़ापन आदि लक्षण बहुतायत में देखे जा सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक खेल–कूद से दूरी, परिवर्तित लाइफ स्टाइल एवं बढ़ता स्क्रीन टाइम इसमें प्रमुख कारण हैं। यद्यपि पूर्णतरू प्रमाणित नहीं, तथापि कुछ शोधों के तहत, सोशल मीडिया का उपयोग अवसाद तथा चिंता जैसे लक्षण उत्पन्न कर सकता है। स्क्रीन से निकलने वाली रोशनी सर्केडियन रिदम को बाधित कर सकती है। देर रात सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने से नींद का पैटर्न गड़बड़ा सकता है। बहुत अधिक समय बिताने से एकाग्रता में कमी जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं। 2020 में हुए अध्ययन के अनुसार, एक माह के लिए अपना फेसबुक अकाऊंट निष्क्रिय करने वाले कुछ लोगों ने अवसाद तथा चिंता में कमी के साथ–साथ खुशी और जीवन संतुष्टि में बढ़ौतरी होने की सूचना दी। सोशल मीडिया का निकृष्टतम पहलू है, साइबर बुलिंग अथवा साइबर धोखाधड़ी, जिसमें यौन शोषण से लेकर वित्तीय ब्लैकमेल के लिए अंतरंग छवियों को वितरित करना आदि शामिल हैं। एक अध्ययन के तहत, 72 प्रतिशत किशोरों ने किसी न किसी समय साइबर बुलिंग का शिकार होने की बात स्वीकारी। सरसरी तौर पर भले ही यह निर्णय अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान अभिभावकों की चिंता कम करने वाला प्रतीत होता हो, किंतु कार्यान्वयन के आधार पर व्यावहारिकता जांचें तो इसे लागू करने में अड़चनें भी कम नहीं! सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाना कुछ मायनों में अवश्य अच्छा हो सकता है लेकिन इसे पूर्णतरू प्रतिबंधित करना संभव नहीं, वह भी आज के तकनीकी दौर में, जब इसका प्रयोग पठन–पाठन, ज्ञानार्जन आदि से लेकर शैक्षिक संस्थानों द्वारा गृहकार्य, सूचनाएं वगैरह भेजने के निमित्त किया जाता हो। चूंकि घोषणा का प्रारूप अभी तक स्पष्ट नहीं, ऐसे में इस प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन कैसे सुनिश्चित होगा, समझना मुश्किल है? सोशल मीडिया संचालित करने वाली तकनीकी कंपनियां इस बाबत कितना सहयोगी रवैया अपनाएंगी, यह भी स्वयं में एक यक्ष प्रश्न है? किशोरों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचाने के निहितार्थ भारत के दो राज्यों में उठी यह गूंज अवश्य सार्थक सिद्ध हो सकती है, यदि घोषणा को अमली जामा पहनाने में अपेक्षित तत्परता दिखाई जाए। बृहद परिवर्तन तभी संभव है, जब सरकारें, शिक्षा संस्थान, अभिभावक तथा तकनीकी प्लेटफार्म पारस्परिक सामंजस्य से एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए सारगर्भित हल निकालें। तब दो राज्यों की पहल एक सार्थक मुहिम बनकर केंद्र सरकार के सहयोग से ऐसे गंभीर विषय पर केंद्रीय कानून लाने की ओर उन्मुख होगी। बच्चे देश का भविष्य हैं, उनका आज और कल सेहतमंद एवं सुरक्षित बनाना सांझा दायित्व है।

एलपीजी संकट पर मोदी सरकार का शुतुरमुर्गी रवैया

अनिल जैन

दरअसल भारत में रसोई गैस सिलेंडर की समस्या आज की नहीं है। पहले की सरकारों के समय भी यह समस्या रही है। इस समस्या की मूल वजह है सरकार के पास गैस भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था न होना। चूंकि गैस का भंडारण महंगा पड़ता है, इसलिए भारत ने खुद को लगातार आपूर्ति पर ही निर्भर बनाए रखा। मौजूदा सरकार ने भी गैस के भंडारण की समुचित व्यवस्था करने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया।

देश में रसोई गैस सिलेंडर को लेकर चौतरफा हाहाकार मचा हुआ है। यह हाहाकार बिल्कुल वैसा ही है जैसा छह साल पहले 2020 से 2021 के दौरान कोरोना महामारी के चलते अस्पतालों में इलाज और ऑक्सीजन सिलेंडर को लेकर मचा था, जिसमें 50 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। यह हाहाकार वैसा ही है जैसा दस साल पहले नोटबंदी के समय नोट बदलवाने के लिए मचा था और 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इस समय ईरान और अमेरिका–इजरायल युद्ध के चलते रसोई गैस सिलेंडर को लेकर भी पूरा देश हलाकान है। गैस एजेंसियों के दफ्तरों और गोदामों पर लोगों की लंबी–लंबी कतारें लगी हुई हैं। कतारों में खड़े लोगों के मरने की खबरें आ रही हैं। लोग खाली गैस सिलेंडर लिए मारे–मारे फिर रहे हैं। श्आपदा में अवसरश तलाशते हुए गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी भी जोरों पर हो रही है।

इस सबके बावजूद न तो केंद्र सरकार और न ही भाजपा शासित राज्यों की सरकारें यह मान रही हैं कि देश में गैस सिलेंडरों की किल्लत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और असम में धुआंधार दौरे करते हुए चुनावी रैलियों में रसोई गैस के संकट को नकारते हुए कह रहे हैं कि श्देश में रसोई गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है।श अपनी हर गलती और असफलता के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराने के अभ्यस्त मोदी इस गैस संकट से लोगों को हो रही परेशानी के लिए भी कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। वे कांग्रेस पर अफवाहें फैलाने और लोगों को डराने का आरोप लगा रहे हैं। मजेदार बात यह है कि मोदी एक तरफ तो किसी तरह का संकट होने की बात से ही इनकार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वे यह भी कह रहे हैं कि, जिस तरह भारत से कोरोना महामारी के चलते पैदा हुए संकट से उबरा था, उसी तरह एलपीजी के संकट से भी उबर जाएगा। सवाल है कि जब आप संकट मान ही नहीं रहे हैं तो फिर किस संकट से उबरने की बात कर रहे हैं? कोरोना महामारी के दौरान पूरे देश ने देखा है कि किस तरह लोग समुचित इलाज के अभाव में मर रहे थे, अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती होने वाले मरीजों की कतारें लगी हुई थीं, ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए लोग मारे–मारे घूम रहे थे, शमशान घाटों में शवों के अंबार लगे हुए थे, गंगा और यमुना नदी में लाशें तैर रही थीं, नदियों के तटों पर पड़े शवों को गिद्ध, चील–कौवे और कु त्ते नोंच रहे थे, महानगरों और बड़े शहरों में काम करने वाले प्रवासी मजदूर भूखे–प्यासे अपने बच्चों के साथ अपने घर–गांव लौटने के लिए सैकड़ों–हजारों किलोमीटर का पैदल सफर कर रहे थे और इस सबके बीच प्रधानमंत्री मोदी लोगों से ताली–थाली बजवा रहे थे, मोमबत्ती और दीये जलवा रहे थे। यही नहीं, इस पूरी दर्दनाक स्थिति के प्रति बेपरवाह होकर वे पश्चिम बंगाल में चुनावी रैलियां व रोड शो भी कर रहे थे और बेहद भौंडे अंदाज में श्दीदी ओ दीदीश करते हुए ममता बैनर्जी की खिल्ली उड़ा रहे थे। अभी जब देश रसोई गैस के संकट से जूझ रहा है तब भी मोदी खुद को चुनाव प्रचार में झोंके हुए हैं। केंद्र सरकार की ओर से पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा से बीते एक सप्ताह में तीन बार प्रेस कॉन्फ्रेंस करा कर यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि सब कुछ सामान्य है, देश में गैस की कोई कमी नहीं है और सरकार ने गैस उत्पादन बढ़ाने के आदेश भी दे दिए हैं। कुल मिलाकर मोदी, उनकी सरकार और उनकी पार्टी शुतुरमुर्गी रवैया अपनाए हुए हैं और उनका साथ देने के लिए टीवी चौनलों के बेशर्म और उजड्ड एंकरों तथा दलाल पत्रकारों की फौज हमेशा की तरह सेवा में हाजिर है ही। सवाल है कि जब देश में रसोई गैस की कोई कमी नहीं है और लोगों को सामान्य रूप से गैस सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही है तो क्या लोग शौक से भीषण गर्मी में गैस एजेंसियों के दफ्तरों और गोदामों पर कतारें लगाए खड़े हैं, मार–पीट एवं धक्का–मुक्की कर रहे हैं, बेहोश हो रहे हैं और मर रहे हैं? सवाल यह भी है कि अगर सब कुछ ठीक है, गैस सिलेंडरों की कमी नहीं है और आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह से सुचारू रूप से काम कर रही है तो सुप्रीम कोर्ट की कैंटीन में मेन कोर्स का खाना बनना क्यों बंद हो गया? अयोध्या में चलने वाली राम रसोई क्यों बंद हुई, जहां 25 हजार तीर्थयात्री प्रतिदिन निरूशुल्क भोजन करते हैं? स्वयं मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के अन्नपूर्णा मंदिर में 35 साल से तीर्थयात्रियों के लिए चल रही रसोई क्यों बंद है? भारतीय रेलवे अपनी कैटरिंग सर्विस क्यों सीमित करने की तैयारी कर रहा है? कांग्रेस मुख्यालय में कैंटीन क्यों बंद हुआ? देश भर में होटल, रेस्तरां, भोजनालय और ढाबे क्यों बंद हो रहे हैं? इन सवालों के जवाब सरकार में किसी के पास नहीं है। दरअसल भारत में रसोई गैस सिलेंडर की समस्या आज की नहीं है। पहले की सरकारों के समय भी यह समस्या रही है। इस समस्या की मूल वजह है सरकार के पास गैस भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था न होना। चूंकि गैस का भंडारण महंगा पड़ता है, इसलिए भारत ने खुद को लगातार आपूर्ति पर ही निर्भर बनाए रखा। मौजूदा सरकार ने भी गैस के भंडारण की समुचित व्यवस्था करने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया। मोदी की सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त में रसोई गैस के कनेक्शन बांटने शुरू किए और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने का अभियान शुरू किया तो उसके हिसाब से एलपीजी के भंडारण की व्यवस्था भी करनी चाहिए थी और आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर करना चाहिए था। साथ ही आयात पर निर्भरता कम करनी चाहिए थी और अपना उत्पादन बढ़ाना चाहिए था। स्थिति यह है कि भारत 10 साल पहले अपनी जरूरत का 41 फीसदी एलपीजी आयात करता था, जो अब बढ़कर 60 फीसदी हो गया है और इसमें भी ज्यादातर का आयात उसी क्षेत्र से होता है, जिस क्षेत्र में युद्ध चल रहा है। यह वास्तविक स्थिति है तो इसे स्वीकार करने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। सरकार को भी अंदाजा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध लंबा खिंचा तो समस्या और बढ़ेगी। इसीलिए उस स्थिति से निबटने के मकसद से एस्मा यानी आवश्यक सेवा संरक्षण कानून लागू किया गया है। लेकिन सरकार यह स्वीकार ही नहीं कर रही है कि देश में रसोई गैस का संकट है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भारत की समस्या सिर्फ युद्ध के चलते आयात प्रभावित और खाड़ी के देशों में उत्पादन कम होने से नहीं है। भारत की असली समस्या यह है कि देश में एलपीजी के भंडारण की सुविधा बहुत मामूली है। भारत में हर दिन 80 हजार टन एलजीपी की आवश्यकता है परन्तु भारत की भंडारण क्षमता

नीतीश–डीजीपी के सिपाही बनने की कहानी

बिहार में 20 सालों तक सत्ता का निर्बाध आनंद लेने के बाद नीतीश कुमार अब फिर दिल्ली की राजनीति में लौट रहे हैं। 2005 में बिहार का मुख्यमंत्री बनने से पहले नीतीश कुमार राष्ट्रीय लोकमोर्चा के अध्यक्ष हैं और नितिन नवीन बिहार और केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। वैसे बिहार में राज्यसभा चुनावों की सबसे खास बात यही रही कि पहली बार किसी मौजूदा मुख्यमंत्री ने राज्य

छह बार लोकसभा सांसद रह चुके हैं, लेकिन अब सातवीं बार सांसद बनने के लिए उन्होंने राज्यसभा को चुना। बिहार में नीतीश कुमार समेत एनडीए के पांचों उम्मीदवारों ने राज्यसभा चुनाव जीत लिया है। मजेदार बात ये है कि तीन विभिन्न पार्टियों के राष्ट्रीय अध्यक्ष इनमें शामिल हैं। नीतीश कुमार जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, उपेन्द्र कुशवाहा की सत्ता छोड़कर राज्यसभा को चुना हो। राज्य की सत्ता छोड़कर नरेन्द्र मोदी भी आए थे, लेकिन उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ा था और सामने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी थी। जबकि नीतीश कुमार ने तो इंडिया गठबंधन इसी नाम पर छोड़ा था कि उन्हें विपक्षी मोर्चे की तरफ से प्रधानमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया गया था। केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के बाद नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षा अगर प्रधानमंत्री बनने की थी, तो उसमें न कुछ गलत है, न आश्चर्य है। लेकिन असली हैरानी इसी बात पर है कि आखिर राज्यसभा के लिए 20 सालों की राज्य की सत्ता को कौन ठुकराता है। अभी तो ये भी तय नहीं है कि नीतीश कुमार को कौन सा मंत्री पद मिलता है, या अगले साल उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाता है। वैसे इतना तो तय है कि इस समय नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने से जदयू के लोग तो खुश नहीं ही हैं, बिहार के लोगों को भी भाजपा का ये राजनीतिक खेल समझ नहीं आ रहा है, कि एकदम से उन्हें नीतीशविहीन क्यों किया जा रहा है। उनके पैतृक गांव कल्याण बिगहा में एक व्यक्ति ने बीबीसी से कहा कि यह तो डीजीपी के सिपाही बनने जैसा है। वहीं जदयू में नीतीश के पुराने साथी के सी त्यागी ने तो अब पार्टी ही छोड़ दी, जबकि बहुत से कार्यकर्ताओं ने निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की। ये मांग तो शायद ही पूरी हो, लेकिन परिवारवाद की माला जपते हुए नीतीश कुमार ने बेटे निशांत का राजनीति में प्रवेश करा ही दिया है। निशांत कुमार क्या अपने पिता की तरह बिहार के लोगों के दिल में जगह बना पाएंगे, क्या नीतीश कुमार को किसी भी खेमे में रहने के बावजूद जो समर्थन मिलता रहा, वैसा ही समर्थन निशांत कुमार को मिलेगा, नीतीश को इसकी चिंता भी करना चाहिए।

लेकिन नीतीश कु मार के लिए इस समय सबसे बड़ी चिंता बिहार में भाजपा का वर्चस्व कायम होने की होनी चाहिए। एनडीए का सहयोगी होने के बावजूद नीतीश कुमार ने भाजपा को कभी बिहार में बड़ा भाई नहीं बनने दिया था, लेकिन 2025 के चुनावों में भाजपा बड़े भाई से आगे बढ़कर मोहल्ले का दादा ही बन चुकी है। कहा जा रहा है कि अब भाजपा अपने मुख्यमंत्री बनाने का सपना पूरा कर लेगी, इसके लिए शायद पिछले साल चुनावों में ही सौदेबाजी कर ली गई थी कि जनता को दिखाने के लिए नीतीश कुमार को कुछ दिन मुख्यमंत्री बनाया जाए और फिर धीरे से उनसे ये पद ले लिया जाए। अगर इस दावे में दम है तो यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। क्योंकि अक्सर ऐसी सौदेबाजियां भष्ट तरीकों से सत्ता हासिल करने का रास्ता बनाती हैं। नीतीश कुमार के दिल्ली आने से बिहार में एक बड़ा बदलाव यह होगा कि राज्य से जे पी आंदोलन की बची–खुची यादों की भी विदाई हो जाएगी। शरद यादव रहे नहीं, लालू प्रसाद यादव भी राजनीति में कम ही सक्रिय हैं, उनकी जगह तेजस्वी ने पार्टी संभाल ली है और अब नीतीश कुमार भी पूरी तरह भाजपा के रंग में रंग चुके हैं।

अस्पताल के दस्तावेजों में गलतियां, जिनसे क्लेम रिजैक्ट हो सकता है

प्रीति कुलकर्णी

जब 2025 में मुंबई के रहने वाले पार्थ नागदा के पिता को दिल की बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया, तो उन्हें खर्च की ड्क्षचता नहीं थी, क्योंकि उनके फैमिली फ्लोटर प्लान में

उनके माता–पिता भी शामिल थे। लेकिन, उनकी हैल्थ इंश्योरैंस कंपनी ने उनका क्लेम यह कहकर रिजैक्ट कर दिया कि उन्होंने पहले से मौजूद किडनी की क्रोनिक बीमारी (सी.के.डी.) के बारे में जानकारी नहीं दी थी। नागदा बताते हैं, ''मेरे पिता को तब तक किडनी से जुड़ी कोई समस्या नहीं थी। अस्पताल में भर्ती होते समय नेफ्रोलॉजिस्ट ने बस उनके क्रिएटिनिन लैवल (जो किडनी के काम करने का एक संकेत है) के ज्यादा होने की बात कही थी।'' बाद में उन्हें पता चला कि डिस्चार्ज के समय ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने गलती से डिस्चार्ज समरी में 'सी.के.डी.' लिख दिया था, जिसकी वजह से उनका क्लेम रिजैक्ट हो गया। नागदा का केस संभालने वाले इंश्योरैंस कंसल्टैंट मयंक गोसर बताते हैं, ''नेफ्रोलॉजिस्ट के नोट्स में 'सी.के.डी.' के आगे सिर्फ एक सवालिया निशान था, जो इस बात का संकेत था कि उन्हें इस बारे में पक्का पता नहीं था लेकिन रैजिडैंट डॉक्टर ने इसे पक्के तौर पर लिख दिया। पहले से सी.के.डी. की कोई हिस्ट्री न होने के बावजूद, उनका क्लेम रिजैक्ट हो गया।'' आखिर में, नागदा और गोसर ने सोशल मीडिया का सहारा लिया। गोसर आगे बताते हैं, ''तब जाकर इंश्योरैंस कंपनी ने इस मामले पर ध्यान दिया और क्लेम को दोबारा खोला गया और अंततरू क्लेम पास हो गया।''

नागदा की तरह ही, मनीष श्रीवास्तव को भी अपनी पत्नी की डिस्चार्ज समरी में गलत जानकारी लिखे होने की वजह से परेशानी उठानी पड़ी। श्रीवास्तव बताते हैं, ''उनकी पत्नी के घुटने में सूजन थी और उन्हें बुखार था, जिसके लिए उनका इलाज दिल्ली के एक अस्पताल में हुआ। मैंने अपनी कॉर्पोरेट पॉलिसी के तहत क्लेम फाइल किया और उसका पेमैंट भी हो गया। लेकिन, अस्पताल ने आगे के इलाज और कुछ जांच करवाने की सलाह दी, जिसके लिए हमने लखनऊ जाने का फैसला किया।'' श्रीवास्तव बताते हैं, ''जब मैंने लखनऊ के अस्पताल में हुए आगे के इलाज के लिए रीइम्बर्समैंट क्लेम फाइल किया, तो इंश्योरैंस कंपनी ने उनकी हैल्थ हिस्ट्री में 'एच.टी.एन' (हाई ब्लड प्रैशर) लिखा हुआ देखा, और यह कहकर उनका क्लेम रिजैक्ट कर दिया कि उन्होंने पहले से मौजूद हाई ब्लड प्रैशर की बीमारी के बारे में जानकारी नहीं दी थी। जबकि, उन्हें यह बीमारी कभी थी ही नहीं।'' अस्पताल से एक चिट्ठी मिलने के बावजूद, जिसमें टाइपिंग की गलती की बात मानी गई थी, इंश्योरैंस कंपनी ने क्लेम देने से मना कर दिया। आखिरकार, शिकायत निवारण विभाग को एक औपचारिक चिट्ठी भेजने और कई बार फॉलो–अप करने के बाद, उन्होंने क्लेम का कुछ हिस्सा दे दिया। ऐसी गलतियां तब होती हैं, जब अस्पताल में काम करने वाले डॉक्टर कुछ जानकारियां गलत बता देते हैं। इंश्योरेंस एक्सपर्ट का कहना है कि मरीज–पॉलिसीहोल्डर अक्सर अपनी डिस्चार्ज समरी को ध्यान से नहीं देखते, क्योंकि मैडिकल की तकनीकी भाषा समझना आसान नहीं होता, जिसका असर क्लेम के निपटारे पर पड़ सकता है।अस्पताल में भर्ती होने की चौकलिस्ट रू अस्पताल में भर्ती होते समय, साथ आए लोगों और अगर मुमकिन हो तो मरीजों को भी, ज्यादा सावधान रहना चाहिए। बेशक डॉट ऑर्ग के को–फाऊंडर महावीर चोपड़ा कहते हैं, ''डॉक्टर शुरू में कुछ रिकॉर्ड बनाते हैं, जिनमें भर्ती के समय मिली जानकारियों का ब्योरा होता है। आप इन रिकॉर्ड की कॉपी मांगकर उन्हें देख सकते हैं, ताकि गलतियां पकड़ में आ जाएं और उन्हें समय पर ठीक किया जा सके।'' सबसे अच्छा यही होगा कि कोई ऐसा व्यक्ति, जिसे मरीज की मैडिकल हिस्ट्री के बारे में पता हो, वह डॉक्टरों को सारी जानकारियां दे। चोपड़ा आगे कहते हैं, ''अपनी सभी मैडिकल फाइलें साथ रखना सबसे सही तरीका है। इससे गलतियों या मैडिकल हिस्ट्री को गलत तरीके से बताने का खतरा कम हो जाता है।'' अपनी तरफ से, पॉलिसीधारकों को पॉलिसी खरीदते समय अपनी मौजूदा स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में पूरी तरह से ईमानदार रहना चाहिए। आखिर, सबसे अच्छा इलाज पाने के लिए उन्हें डॉक्टरों को अपनी मैडिकल हिस्ट्री बतानी ही होगी। नहीं तो, छुपाई गई स्वास्थ्य जानकारी आपके क्लेम में दिक्कत खड़ी कर सकती है।

शादी में विक्की कौशल ने किया ऐसा मजाक, भड़के लोगों ने पत्नी का अपमान बताकर एक्टर को किया ट्रोल

कई बार किसी से मजाक करना भारी पड़ जाता है। अब तक कई ऐसे सेलिब्रेटीज हैं, जो मजाक में कही बात को लेकर ट्रोलिंग का शिकार हो चुके हैं। वहीं, हाल ही में एक विक्की कौशल के साथ ऐसा हुआ। एक शादी में दूल्हे के साथ जोक मारकर एक्टर ट्रोलर के निशारे पर आ गए और यूजर उनके इन शब्दों को पत्नी का अपमान बता रहे हैं। दरअसल, मंगलवार को विक्की कौशल का किसी वेडिंग फंक्शन से एक वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में वह दूल्हे के साथ स्टेज पर मजाकिया अंदाज में पूछते हैं–हाउ इज द जोश? ऐसे में सामने खड़े लोग बोलते हैं– हाई, सर। विक्की फिर हंसते हुए कहते हैं–मैंने यह देखा है कि बैचलर्स का जोश हमेशा हाई ही रहता है, लेकिन हम शादीशुदा लोगों का जोश साल–दर–साल गिरता जाता है। यह वीडियो देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स भड़क गए और एक्टर को ट्रोल करने लग गए। एक यूजर ने उन्हें कमेंट करते हु सलाह दी कि सार्वजनिक मंचों पर कुछ भी बोलने से पहले उन्हें ध्यान रखना चाहिए। दूसरे ने लिखा, साल 2026 आ गया है और हम अब भी औरतों के खिलाफ शादी का मजाक उड़ाने वाले ऐसे जोक्स मार रहे हैं। अन्य एक ने लिखा, मुझे यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आती है, जब पुरुष सबके सामने अपनी शादी का मजाक उड़ाते हैं। इससे वे अप्रत्यक्ष तौर पर अपनी पत्नी का अपमान कर रहे होते हैं, जो बिल्कुल भी मजेदार नहीं है। हालांकि, इस ट्रोलिंग पर अभी तक विक्की कौशल की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। काम की बात करें तो विक्की कौशल जल्द ही संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगे। इस फिल्म में वह आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे।

> “ अन्य एक ने लिखा, मुझे यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आती है, जब पुरुष सबके सामने अपनी शादी का मजाक उड़ाते हैं। इससे वे अप्रत्यक्ष तौर पर अपनी पत्नी का अपमान कर रहे होते हैं, जो बिल्कुल भी मजेदार नहीं है।

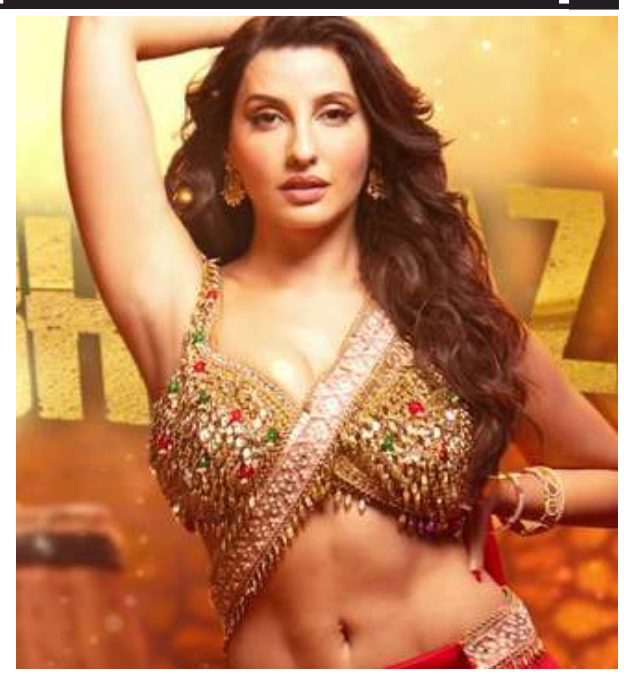

सरके चुनर तेरी सरके गाने पर विवाद जारी, नोरा और संजय दत्त की बढ़ सकती है मुश्किलें

नोरा फतेही और संजय दत्त का नया गाना 'सरके चुनर तेरी सरके' रिलीज के बाद से ही विवादों में है। अब नेशनल कमीशन फॉर वूमेन ने भी इस गाने को लेकर बड़ा एक्शन लिया है, जिसकी वजह से संजय दत्त और नोरा फतेही की दिक्कतें बढ़ सकती हैं। नेशनल कमीशन फॉर वूमेन ने गाने 'सरके चुनर' को लेकर उठे विवाद के बाद एक्ट्रेस नोरा फतेही, एक्टर संजय दत्त और कुछ अन्य लोगों को समन भेजा है। कमीशन ने अपने बयान में कहा कि गाने का कंटेंट पहली नजर में अश्लील, आपत्तिजनक और सेक्सुअली सजेस्टिव लगता है। साथ ही यह भारतीय न्याय संहिता, IT एक्ट और POCSO एक्ट के नियमों का उल्लंघन करता हुआ नजर आ रहा है। NCW ने कहा कि उसने मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर इस मामले का खुद संज्ञान लिया है। कमीशन ने गीतकार रकीब आलम, KVN ग्रुप के प्रोड्यूसर वेंकट के नारायण और किरण कुमार को भी 24 मार्च को पेश होने के लिए बुलाया है। सभी से कहा गया है कि वे जरूरी दस्तावेजों के साथ हाजिर हों। कमीशन ने चेतावनी दी है कि अगर कोई पेश नहीं होता है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है। विवाद बढ़ने के बाद नोरा फतेही और सिंगर रकीब आलम दोनों ने खुद को इससे अलग कर लिया है। नोरा ने कहा कि उन्होंने कन्नड़ वर्जन तीन साल पहले शूट किया था और जब उन्होंने हिंदी वर्जन सुना, तो उन्होंने पहले ही मेकर्स को इस पर आपत्ति जताई थी। वहीं, रकीब आलम ने कहा कि उन्होंने भी मेकर्स को चेतावनी दी थी कि हिंदी लिरिक्स अश्लील हैं। उनका कहना है कि उन्हें कन्नड़ गाने का सीधा अनुवाद करने को कहा गया था और उन्होंने वही किया। कन्नड़ गाने के बोल खुद फिल्म के डायरेक्टर प्रेम ने लिखे थे। यह गाना अपकमिंग कन्नड़ फिल्म 'केडी द डेविल' का हिस्सा है, जिसे हाल ही में यूट्यूब पर रिलीज किया गया था। गाने के बोलों को लेकर काफी विवाद हुआ, जिसके बाद इसे प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया। फिल्म का निर्देशन प्रेम ने किया है और इसमें ध्रुव सरजा लीड रोल में हैं। फिल्म 30 अप्रैल को रिलीज होगी।

डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी ने साझा किया फिल्म स्वयंभू के पीछे का खास विजन और मकसद

जब से स्वयंभू का टीजर रिलीज हुआ है, यह कार्तिकेय 2 फेम निखिल सिद्धार्थ की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई है। टीजर में दिखाई गई भव्यता और दमदार कहानी की हर तरफ तारीफ हो रही है। रौंगटे खड़े कर देने वाले बैकग्राउंड म्यूजिक (बीजीएम), जबरदस्त एक्शन और शानदार विजुअल्स की वजह से इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है और अब तक इसके 18 मिलियन से ज्यादा व्यूज हो चुके हैं। टीजर ने कहानी की एक छोटी सी झलक तो दिखाई ही है, लेकिन साथ ही डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी ने खुलासा किया कि इस फिल्म के जरिए उनका मकसद भारत के उस स्वर्ण युग (गोल्डन ऐरा) को दिखाना है, जब हमारा देश दुनिया की एक बड़ी महाशक्ति था। भरत कृ ष्णमाचारी ने कहा , इस फिल्म के जरिए हमारी कोशिश भारत के उस सुनहरे दौर पर रोशनी डालने की है, जब हम एक बड़ी नौसैनिक शक्ति थे और हमारा साम्राज्य न केवल दक्षिण भारत, बल्कि पूरे देश में बेहद समृद्ध था। चीन जैसे पूर्वी देशों और रोम व ग्रीस जैसे पश्चिमी देशों के साथ हमारा व्यापार बहुत फैला हुआ था और हमने दक्षिण–पूर्वी एशिया तक अपनी जीत दर्ज की थी। उस समय भारत आर्थिक और तकनीकी रूप से इतना आगे था कि जैसे आज आजादी के बाद भारतीय अमेरिका जाना चाहते हैं, उस समय पूरी दुनिया भारत आना चाहती थी। इसकी वजह यह थी कि तब हम एक महाशक्ति थे। यह फिल्म उसी सुपरपावर युग की शुरुआत के बारे में बात करती है। होली के शुभ अवसर पर, फिल्म की टीम ने पहले सिंगल का पोस्टर रिलीज कर दिया है, जिसमें निखिल सिद्धार्थ एक बेहद शानदार और नए अवतार में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर से त्योहार की पूरी रौनक झलक रही है और इसे चटकीले रंगों से सजाया गया है, जो होली के माहौल को एकदम सही तरीके से पेश करता है। निखिल सिद्धार्थ इसमें काफी प्रभावशाली और इंटेंस दिख रहे हैं। पोस्टर को देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म का यह पहला गाना एक हाई–एनर्जी नंबर होगा, जो आने वाले समय में त्योहारों के लिए एक बड़ा एंथम बन सकता है। भारत के शानदार स्वर्ण युग (गोल्डन ऐरा) पर आधारित यह टीजर हमारी विरासत, साहस और सांस्कृतिक गौरव से भरी कहानी को पेश करता है। इस कहानी के केंद्र में सेंगोल का शक्तिशाली प्रतीक है, जो विरासत और सम्मान की एक बड़ी दास्तां की ओर इशारा करता है। निखिल सिद्धार्थ एक बेहद उग्र और दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं, और पूरा टीजर दिल जीत लेने वाले विजुअल्स, गहरे ड्रामा और जबरदस्त एक्शन से भरपूर है।यह फिल्म इंडस्ट्री के बेहतरीन तकनीशियनों और क्रिएटिव दिग्गजों की एक असाधारण टीम को एक साथ लाती है। डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी के निर्देशन में बन रहे इस प्रोजेक्ट में केजीएफ और सालार फेम रवि बसरूर का संगीत है। वहीं, बाहुबली और आरआरआर जैसी फिल्मों में अपनी कला का जादू बिखेरने वाले सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंथिल कुमार इसके विजुअल्स को शानदार बना रहे हैं। एडिटिंग की जिम्मेदारी बाहुबली फेम तम्मीराजू संभाल रहे हैं, साथ ही कई अन्य जाने–माने कलाकार भी इस टीम का हिस्सा हैं। लगभग 170 दिनों की लंबी शूटिंग के साथ, यह प्रोजेक्ट हाल के समय के सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी निर्माणों में से एक है। पिक्सेल स्टूडियोज के भुवन और श्रीकर द्वारा निर्मित फिल्म स्वयंभू भारत के समृद्ध इतिहास और गौरवशाली विरासत को एक महाकाव्य के रूप में पेश करने वाली है। यह फिल्म समर 2026 में पूरी दुनिया के सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

कम नहीं हो रहीं बादशाह की मुश्किलें, अब राष्ट्रीय महिला आयोग ने भेजा नोटिस दी ये चेतावनी

सिंगर बादशाह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने सिंगर को उनके गाने 'टटीरी' में कथित अश्लीलता को लेकर समन भेजा है। आयोग ने मीडिया रिपोर्ट्स का स्वतः संज्ञान लिया है। उनके गाने के बोल और विजुअल्स को लेकर चिंता जताई गई है। आयोग ने बादशाह के साथ–साथ गाने के डायरेक्टर माही संधू, को–डायरेक्टर जोबन संधू, और प्रोड्यूसर हितेन को समन भेजा है। इन सभी को 25 मार्च, 2026 को दोपहर 12:30 बजे संबंधित दस्तावेजों के साथ आयोग के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया है। एक बयान में, आयोग ने कहा कि गाने का कंटेंट पहली नजर में आपत्तिजनक लगता है। संभवतः भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, और महिलाओं का अश्लील चित्रण (निषेध) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है। आयोग ने यह भी चेतावनी दी कि निर्देश का पालन न करने पर उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बादशाह के गाने की जांच–पड़ताल बढ़ रही है। इस गाने पर अश्लीलता और आपत्तिजनक चित्रण (विशेषकर महिलाओं से जुड़े मामलों में) को बढ़ावा देने का आरोप लगता रहा है। इससे पहले, शुक्रवार को एक एफआईआर दर्ज होने के बाद यूट्यूब ने गाना हटा दिया था। राष्ट्रीय महिला आयोग से पहले हरियाणा महिला आयोग और बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बादशाह को नोटिस भेजा है। आपको बता दें कि 'टटीरी' एक हरियाणवी हिप–हॉप गाना है, जो 1 मार्च, 2026 को रिलीज हुआ था।

द केरल स्टोरी 2 की कामयाबी से लेकर सीक्वल फिल्मों की सफलता के राज पर बोले विपुल अमृतलाल शाह

मशहूर फिल्ममेकर विपुल अमृतलाल शाह अपनी बेबाक और असरदार कहानियों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी लेटेस्ट फिल्म द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड के साथ एक बार फिर एक झकझोर देने वाली कहानी पेश की है। पहली फिल्म की भारी कामयाबी के बाद विपुल अमृतलाल शाह ने अपने बैनर सनशाइन पिक्चर्स के तले इसका दूसरा पार्ट प्रोड्यूस किया, जो कहानी को और भी गहराई से दिखाता है। नेशनल अवॉर्ड विनर डायरेक्टर कामाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी इस फिल्म को सिनेमाघरों में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है और बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म शानदार कमाई कर रही है। फिल्म की सफलता पर बात करते हुए विपुल अमृतलाल शाह ने कहा कि सीक्वल सिर्फ एक ट्रेंड नहीं है, बल्कि यह सिनेमा और दर्शकों के बीच के रिश्ते को और मजबूत बनाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि द केरल स्टोरी 2 की कामयाबी काफी इमोशनल है, क्योंकि यह दर्शकों के भरोसे और फिल्म के कड़े संदेश की वजह से मुमकिन हो पाई है। विपुल अमृतलाल शाह ने बताया कि साल की पहली तिमाही में सीक्वल फिल्मों का ही बोलबाला रहा है। उन्होंने कहा, "2026 ने साफ दिखा दिया है कि सीक्वल सिर्फ एक ट्रेंड नहीं है, बल्कि यह सिनेमा और दर्शकों के बीच का एक मजबूत रिश्ता है। बॉर्डर 2, द केरल स्टोरी 2 और धुरंधर 2 जैसी फिल्मों ने यह साबित कर दिया है कि जब पहले पार्ट को दर्शकों का सच्चा प्यार मिलता है, तो दूसरा पार्ट उस भरोसे को और आगे ले जाता है। साल की पहली तिमाही वाकई ऐसी कहानियों के नाम रही है, जहाँ सच्चाई, जज्बात और यकीन की जीत हुई है। द केरल स्टोरी 2 की कामयाबी पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए विपुल अमृतलाल शाह ने कहा, मेरे लिए इस फिल्म की सफलता बहुत ही इमोशनल है। यह सिर्फ कमाई या आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि यह इस बारे में है कि दर्शकों ने एक बार फिर उस कहानी का साथ दिया है जिस पर उन्होंने भरोसा किया। इस तरह का प्यार और अपनापन मुझे अंदर तक छू गया है। बतौर फिल्ममेकर, ऐसे पल हमें याद दिलाते हैं कि हम ये कहानियाँ आखिर क्यों बनाते हैं। देशभर को झकझोर देने वाली द केरल स्टोरी के जबरदस्त असर के बाद, इसके सीक्वल ने सीमाओं को और भी पार किया है। यह फिल्म चुप्पी और सच को नकारने की सोच से कहीं आगे बढ़कर कहानी पेश करती है। कामाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है, जबकि आशिन ए शाह इसके को–प्रोड्यूसर हैं। फिल्म सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और इसे कन्नड़ और तेलुगु भाषाओं में भी रिलीज किया गया है।

गले की खराश को मिनटों में ठीक करे बर्फ, जानें इसके लाजवाब फायदे

बर्फ का इस्तेमाल तो हर कोई करता है ये ना सिर्फ एक पानी या शरबत डालने के काम आता है बल्कि ये कई तरह के लाजवाब फायदे भी देता है। बचपन में हम सभी ने फ्रिज से निकाल कर मम्मी से चोरी–चोरी जरूर खाई होगी। ऐसे में हमें पता नहीं होता कि ये एक पानी का टुकड़ा भी इतने फायदे दे सकता है। हम आपको आज बर्फ से मिलने वाले फायदों के बारे में बताएंगे जिसे जान आप बेहद हैरान हो जाएंगे।

नहीं लगती दवाई कड़वी

कड़वी दवाई खाने से पहले मुंह में बर्फ का टुकड़ा रख लें, दवाई कड़वी ही नहीं लगेगी।

पच जाता है खाना

यदि आपने बहुत ज्यादा खा लिया है और खाना पच नहीं रहा, तो साहब थोड़ा–सा बर्फ का टुकड़ा खा ले, खाना शीघ्र पच जाएगा।

त्वचा नहीं पड़ती ढीली

यदि आपके पास मेकअप का भी समय नही है या आपकी त्वचा ढीली पड़ती जा रही है तो एक बर्फ का छोटा–सा टुकड़ा लेकर उसे किसी कपड़े में (हो सके तो मखमल का) लपेट चेहरे पर लगाइए। इससे आपके चेहरे की त्वचा टाईट होगी और यह टुकड़ा आपकी त्वचा में ऐसा निखार ला देगा जो और कही नही मिलेगा।

गले की खराश के लिए

बर्फ का टुकड़ा गले के बाहर धीरे–धीरे मलने से गले की खराश ठीक हो जाती है।

जलन शांत करे

जल जाने के तुरंत बाद बर्फ का टुकड़ा जले हुए स्थान पर लगाने से छाले और जलन शांत होती है। और निशान भी गहरा नही पड़ेगा।

इंजेक्शन लगने व पैर में मोच आने पर

इंजेक्शन लगने पर या पैर में मोच आने पर बर्फ मलने से दर्द, सूजन व खुजली कम होती है।

पैरों के दर्द से राहत दिलाएंगे नीम के पत्ते, आप भी जानें कैसे

पैरों में दर्द का होना एक बेहद आम समस्या है। ये दर्द किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है फिर चाहे वह बच्चा ही क्यों ना हो। पैरों मैं दर्द होने के कई कारण है सकते हैं जैसे मांसपेशियों में खिचाव, नस चढ़ जाना,सही ब्लड सर्कुलेशन न होना अदि। इसके अलावा शरीर की हड्डियां कमजोर होने से भी पैरों में दर्द हो सकता है। देखा गया है कि कई बार ये दर्द इतना भयंकर हो सकता है जिसके कारण लोग इस तक्लीफ से निजात पाने के लिए पेन किलर का सेवन करने लगते हैं जिससे कुछ समय के लिए तो आपको जरूर आराम मिलेगा लेकिन बाद में ये दर्द फिर उठ जाएगा। आपको जानकारी के लिए बता दें की ज्यादा दवाइयों का सेवन भी आपके लिए हानिकार्क हो सकता है। ऐसे में पैर दर्द की समस्या को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय किए जा सकते हैं जैसे–

नीम के पत्तों का इस्तेमाल

.नीम के पत्तो को पानी में उबालकर इसमेंथोड़ी फिटकरी मिला कर अपने पैरों को इस पानी में रखने से पैर दर्द में आराम मिलेगा।

रेग्युलर एक्सरसाइज

.रेग्युलर एक्सरसाइज, योग करने से पैरों में रक्त का स्त्राव नियमित होता है जिससे पैरों में दर्द से आराम मिलता है।

लैवेंडर ऑयल और लौंग के तेल से मसाज

.लैवेंडर ऑयल और लौंग के तेल को तिल के तेल के साथ मिलाकर पैरों में लगाने से पैर दर्द में आराम मिलता है।

देसी घी के साथ गिलोय का रस

.देसी घी के साथ गिलोय का रस पीने से पैर दर्द में राहत मिलती है।

लेग स्ट्रेचिंग

.लेग स्ट्रेचिंग करने से पैर दर्द में आराम मिलता है।

9 दिन का व्रत रखने से पहले ध्यान रखें ये 5 बातें, सेहत रहेगी ठीक और ऊर्जा बनी रहेगी

नवरात्रि का पर्व हिंदू धर्म में बहुत खास माना जाता है। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में लोग लगातार 9 दिन व्रत रखते हैं और मां दुर्गा की पूजा–अर्चना करते हैं। हालांकि, लगातार 9 दिन उपवास रखना आसान नहीं होता। कई बार लोग अपनी सेहत का ध्यान न रख पाने की वजह से बीमार पड़ जाते हैं या कमजोरी महसूस करते हैं। इसीलिए व्रत शुरू करने से पहले कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

पर्याप्त पानी और तरल पदार्थ लें

नोएडा के डाइट मंत्रा क्लीनिक की डाइटिशियन कामिनी सिन्हा बताती हैं कि व्रत के दौरान लोग पानी कम पीते हैं। इससे डिहाइड्रेशन, सिरदर्द और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। व्रत में केवल पानी ही नहीं, बल्कि नारियल पानी, ताजा फलों का जूस, नींबू पानी और छाछ का सेवन करते रहें। थोड़े–थोड़े अंतराल पर पानी या तरल पदार्थ पीते रहें ताकि शरीर में एनर्जी बनी रहे और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन भी बना रहे।

हल्का और पौष्टिक भोजन करें

कई लोग व्रत के दौरान सिर्फ पानी पीते हैं या कुट्टू की पूड़ियां, साबूदाना वड़ा और आलू के चिप्स जैसे भारी और तले–भुने खाने का सेवन करते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं है। व्रत में हल्का और पचने में आसान भोजन करना चाहिए। जैसे , कुट्टू का आटा, सिंघाड़ा या समा के चावल

, मखाना, मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स फल, उबले आलू, दही और पनीर इन चीजों से शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा मिलती है और मेटाबॉलिज्म सही रहता है।

तेल और मसाले वाले भोजन से बचें

व्रत के दौरान ज्यादा तेल या घी वाला खाना एसिडिटी, सीने में जलन और वजन बढ़ने का कारण बन सकता है। सेंधा नमक सीमित मात्रा में ही उपयोग करें। हल्का और संतुलित भोजन से ब्लड प्रेशर और पाचन तंत्र सही रहेंगे।

पर्याप्त आराम और नींद लें

व्रत के दौरान शरीर अपनी स्टोर की गई ऊर्जा का उपयोग करता है, इसलिए सामान्य दिनों की तुलना में अधिक थकान महसूस हो सकती है। इस दौरान भारी व्यायाम या थकाने वाले कामों से बचें। रोज कम से कम 7द्8 घंटे की गहरी नींद लें। नींद की कमी से तनाव हार्मोन बढ़ता है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

व्रत खोलते समय धीरे–धीरे भोजन करें

9 दिन का व्रत पूरा होने के बाद तुरंत भारी भोजन (जैसे पूड़ी–छोले) करने से बचें। व्रत खोलने की शुरुआत हल्के सूप, जूस या फलों से करें और धीरे–धीरे ठोस भोजन पर आएं। इससे पाचन तंत्र पर अचानक बोझ नहीं पड़ेगा और तबीयत बिगड़ने का डर कम होगा।

खास सलाह

गर्भवती महिलाएं, डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर या किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोग 9 दिन का व्रत शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। व्रत के दौरान संतुलित तरल पदार्थ और पौष्टिक आहार लेने से शरीर एनर्जी से भरपूर रहेगा और सेहत भी ठीक रहेगी।

शराब पीने के बाद लोग अपना सेंस क्यों खो देते हैं ? ब्रेन पर इसका क्या असर होता है

अधिक शराब पीने के बाद कई लोग अपना संतुलन और समझदारी खो देते हैं। वे ठीक से चल नहीं पाते, बड़बड़ाने लगते हैं और अपने शरीर का पूरा नियंत्रण खो बैठते हैं। यह केवल उनका व्यवहार नहीं बदलता, बल्कि शरीर और दिमाग पर गहरा असर डालता है। आइए आसान भाषा में समझें कि शराब ब्रेन और पूरे शरीर पर कैसे असर करती है।

शराब ब्रेन के कम्युनिकेशन सिस्टम को कैसे प्रभावित करती है

यूएस के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन अल्कोहल एब्यूज एंड अल्कोहॉलिज्म की रिपोर्ट के अनुसार, अल्कोहल सीधे ब्रेन के कम्युनिकेशन पाथवे में हस्तक्षेप करता है। जब शराब खून के जरिए दिमाग तक पहुँचती है, तो यह न्यूरॉन्स (संदेश भेजने वाली कोशिकाओं) के बीच संवाद को धीमा कर देती है। इस वजह से व्यक्ति स्पष्ट रूप से सोच नहीं पाता। शारीरिक गतिविधियों का तालमेल बिगड़ जाता है। मूड और व्यवहार में अचानक बदलाव आते हैं। यानी शराब पीने के बाद व्यक्ति का दिमाग और शरीर दोनों असंतुलित हो जाते हैं।

पेरिफेरल नर्वस सिस्टम पर शराब का असर

शराब का प्रभाव केवल दिमाग तक सीमित नहीं है। यह पेरिफेरल नर्वस सिस्टम को भी प्रभावित करती है। लगातार ज्यादा मात्रा में शराब पीने से पेरिफेरल न्यूरोपैथी जैसी स्थिति बन सकती है। इसके लक्षण हैंरू हाथ और पैरों में सुन्नता या जलन महसूस होना।नसों का कमजोर होना, जिससे शरीर का संतुलन बिगड़ जाता है। अचानक खड़े होने पर ब्लड प्रेशर गिरना। इस वजह से लोग शराब पीने के बाद लड़खड़ाने लगते हैं और अपने परिवेश का सही सेंस खो बैठते हैं।

शराब और हार्मोनल सिस्टम का असर

शराब शरीर के एंडोक्राइन सिस्टम को भी नुकसान पहुँचाती है। यह हार्मोन्स को प्रभावित करती है जो शरीर की स्थिरता और स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके परिणामस्वरूपः

थायराइड के रोग

असामान्य कोलेस्ट्रॉल लेवल

तनाव झेलने की क्षमता में कमी

हो सकती है।

शराब का लंबे समय तक असर

लगातार शराब पीने से

ब्रेन और नसों को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है।

सोचने–समझने की क्षमता कम हो जाती है।

शरीर का प्राकृतिक विकास धीमा पड़ सकता है, खासकर युवाओं में प्यूबर्टी की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। युवाओं और वयस्कों दोनों के लिए यह चेतावनी है कि शराब केवल थोड़ी खुशी नहीं देती, बल्कि यह स्वास्थ्य और जीवन पर गंभीर दीर्घकालिक असर डालती है। शराब पीने के बाद सेंस खोने और लड़खड़ाने की मुख्य वजह ब्रेन और नसों पर उसका प्रभाव है। इसके अलावा हार्मोन और शरीर के अन्य सिस्टम भी प्रभावित होते हैं।

नवजात बच्चे को 6 माह से पहले नहीं देना चाहिए ठोस आहार, जानिए इसके पीछे का कारण

नवजात बच्चों को अक्सर 6 महीने बाद ठोस आहार खिलाए जाने की सलाह दी जाती है। लेकिन कई बार दादी–नानी बच्चों को महज 4 महीने की उम्र से चावल को मसलकर या दाल का पानी और फल आदि खिलाना शुरूकर देते हैं। डॉक्टर के अनुसार, बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए उन्हें कम उम्र से ठोस पदार्थ खिलाना शुरूकर देना चाहिए। लेकिन डॉक्टर कम से कम 6 माह तक बच्चे को सिर्फ मां का दूध पिलाने की सलाह देते हैं। ऐसे में पेरेंट्स कंफ्यूज हो जाते हैं कि बच्चों को किस उम्र से ठोस आहार देना शुरू करना चाहिए। ऐसे में बतौर पेरेंट्स आपके मन भी यह सवाल है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि 6 माह की उम्र से पहले बच्चे को ठोस आहार देने से क्या होता है।

6 महीने से पहले क्यों न खिलाएं ठोस आहार

बता दें कि डॉक्टर 6 माह से कम उम्र वाले बच्चों को ठोस आहार खिलाने से बचने की सलाह देते हैं। क्योंकि 6 माह से कम उम्र के बच्चों को ठोस आहार खिलाने से उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। क्योंकि इस उम्र के बच्चों का पाचन तंत्र पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाता है। जिस कारण उन्हें ठोस आहार पचाने में समस्या होती है। इसलिए उन्हें कब्ज, दस्त या पाचन से जुड़ी समस्या हो सकती है। वहीं 6 महीने से कम उम्र के बच्चों को ठोस आहार देने से उनमें एलर्जी का खतरा भी बढ़ जाता है। क्योंकि इस दौरान उनकी इम्यूनिटी विकसित हो रही होती है। कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जो बच्चों की इम्यूनिटी पर बुरा असर डाल सकते हैं। साथ ही ठोस आहार खिलाने से फॉर्मूला फीडिंग या स्तनपान करने में समस्या आ सकती है। क्योंकि स्तनपान से बच्चों में पोषक तत्वों की कमी पूरी होती है। इसलिए 6 माह तक बच्चे को सिर्फ मां का दूध पिलाए जाने की सलाह दी जाती है। इससे बच्चे की इम्यूनिटी मजबूत होती है और वह स्वस्थ रहते हैं।

कब और कैसे खिलाएं ठोस आहार

जब बच्चा 6 महीने का पूरा हो जाए, तो उसको ठोस आहार खिलाना शुरूकर देना चाहिए। बच्चों की डाइट में आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए। ठोस आहार में आप उन्हें आयरन–फोर्टिफाइड अनाज, जैसे–जई, चावल या जौ आदि खिला सकते हैं। इसके अलावा फलों में आप केला, नाशपाती और सेब आदि डाइट में शामिल कर सकते हैं। बता दें कि इस तरह का खाना पचने में आसान होते हैं और इस तरह की डाइट से एलर्जी की भी संभावना कम होती है। बच्चों को खाद्य पदार्थ खिलाने के लिए छोटी मात्रा से शुरूआत करें। फिर धीरे–धीरे यह मात्रा बढ़ाएं। इसके साथ ही बच्चों पर भी नजर रखनी चाहिए कि उनको किसी तरह के एनर्जी के लक्षण तो नहीं हैं।

संक्षिप्त

लियोनल मेसी का कीर्तिमान:रोनाल्डो को पछाड़ सबसे तेज 900 करियर गोल पूरे किए

मियामी,एजेंसी। फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में शुमार लियोनल मेसी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने आधिकारिक मुकाबलों में 900 गोल पूरे कर लिए हैं और ऐसा करने वाले वह क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद दुनिया के केवल दूसरे पुरुष फुटबॉलर बन गए हैं। यह खास मुकाम उन्होंने इंटर मियामी के लिए खेलते हुए कॉनकाकाफ चैंपियंस कप में नैशविल के खिलाफ मुकाबले में हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ मेसी अब अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी रोनाल्डो के खास क्लब में शामिल हो गए हैं। रोनाल्डो ने सितंबर 2024 में 900 गोल का आंकड़ा पार किया था। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल इतिहास एवं सांख्यिकी महासंघ के मुताबिक, रोनाल्डो फिलहाल 965 गोल के साथ 1000 के जादुई आंकड़े की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि, मेसी ने रोनाल्डो को पीछे छोड़ सबसे तेज 900 गोल पूरे किए। मेसी ने यह उपलब्धि 1142 मैचों में हासिल की, जबकि रोनाल्डो को इस मुकाम तक पहुंचने में 1236 मैच लगे थे। हालांकि, मेसी का यह गोल उनकी टीम के लिए जीत नहीं दिला सका। इंटर मियामी और नैशविल के बीच मैच 1–1 से ड्रॉ रहा, लेकिन अवे गोल नियम के चलते इंटर मियामी टूर्नामेंट से बाहर हो गई। नैशविल के खिलाड़ी ने मेसी के गोल का जवाब देकर मुकाबले का रुख बदल दिया, जिससे मेसी की ऐतिहासिक उपलब्धि के बावजूद टीम आगे नहीं बढ़ सकी। मेसी के शानदार करियर में सबसे ज्यादा गोल उन्होंने स्पेनिश क्लब बार्सिलोना के लिए किए। उन्होंने वहां 778 मैचों में 672 गोल दागे, जो किसी एक क्लब के लिए उनके असाधारण योगदान को दर्शाता है। इसके बाद उन्होंने पेरिस सेंट–जर्मेन (पीएसजी) के लिए 75 मैचों में 32 गोल किए और अब इंटर मियामी के लिए भी लगातार गोल कर रहे हैं और 81 गोल दाग चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मेसी का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। उन्होंने अर्जेंटीना के लिए 115 गोल किए हैं और टीम को वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई है। मेसी के करियर का सबसे शानदार साल 2012 रहा, जब उन्होंने क्लब और देश के लिए मिलाकर 91 गोल किए थे। यह रिकॉर्ड आज भी फुटबॉल इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि माना जाता है। ऑल–टाइम स्कोरर्स की सूची में ब्राजील के महान खिलाड़ी पेले तीसरे स्थान पर हैं, जबकि मौजूदा खिलाड़ियों में रॉबर्ट लेवानदॉस्की काफी पीछे हैं।

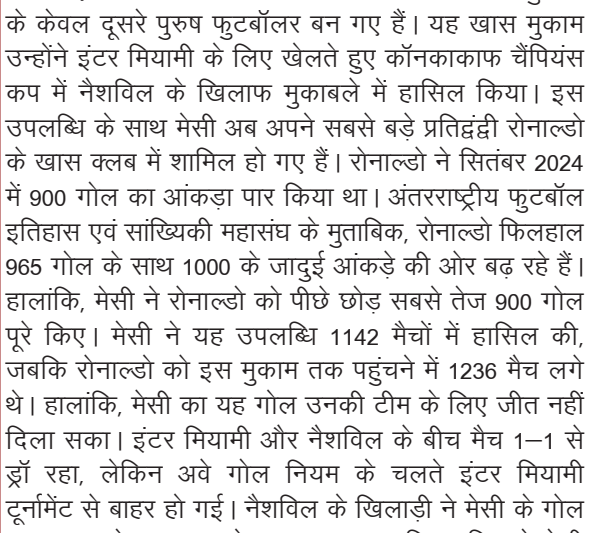

सर्राफा बाजार में दिखी गिरावट, चांदी करीब 11000 तक टूटी, सोना 3600 सस्ता

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। चांदी की कीमत 10940 रुपये गिरकर 2.37 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। वहीं सोने का भाव 3620 रुपये गिरकर 1.50 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर बुलियन बाजार दबाव में नजर आया। मजबूत अमेरिकी डॉलर और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सोना और चांदी दोनों में गिरावट दर्ज की गई। एमसीक्स पर 24 कैरेट सोना 0.57प्रतिशत टूटकर 1,52,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा, जबकि चांदी 1.21प्रतिशत गिरकर 2,45,197 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिका–ईरान तनाव और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे डॉलर मजबूत हुआ और इसका सीधा दबाव सोने–चांदी पर पड़ा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ताजा मौद्रिक नीति फैसले का भी असर बाजार पर देखने को मिला। फेड ने लगातार दूसरी बैठक में ब्याज दरों को 3.5प्रतिशत से 3.75प्रतिशत के दायरे में स्थिर रखा है। इससे पहले 2025 में सितंबर, अक्तूबर और दिसंबर में 0.25प्रतिशत की कटौती की गई थी। बाजार की नजर फेड चेयर जेरोम पॉवेल की टिप्पणियों पर भी रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कमजोरी देखने को मिली। स्पॉट गोल्ड 1.22प्रतिशत गिरकर 4,836 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि स्पॉट सिल्वर 2.25प्रतिशत से ज्यादा टूटकर 75.75 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। मार्च महीने में अब तक सोने की कीमतों में करीब 4: और चांदी में लगभग 16प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है, जिससे निवेशकों की धारणा फिलहाल कमजोर बनी हुई है।

पश्चिम एशिया तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली,एजेंसी। तेल की कीमतों में यह तेजी इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव के बाद आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस्राइल ने ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड को निशाना बनाया, जिसके जवाब में ईरान ने कतर के रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी पर हमला किया। रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी दुनिया के सबसे बड़े एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) उत्पादन केंद्रों में से एक है। कतर के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस पर ईरान की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया गया, जिससे भारी नुकसान हुआ। पिछले 12 घंटों में इस अहम ऊर्जा केंद्र पर यह दूसरा हमला है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने बुधवार को अपनी प्रमुख ब्याज दर को 3.5प्रतिशत से 3.75प्रतिशत के दायरे में यथावत रखने का फैसला किया। फेड ने कहा कि आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं, हालांकि महंगाई अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है और वैश्विक परिस्थितियों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। फेड की ओर से जारी बयान में कहा गया कि रोजगार वृद्धि सीमित रही है।

क्या 2027 के विश्वकप तक मुख्य चयनकर्ता बने रहेंगे अजीत अगरकर? बीसीसीआई से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की

मुंबईएजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने बोर्ड से उनका कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। न्यूज एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, अगरकर ने बोर्ड से कहा है कि उनका कार्यकाल 2027 के वनडे विश्वकप तक के लिए बढ़ाया जाए। अगरकर ने यह अनुरोध भारत के टी20 विश्वकप 2026 जीतने के बाद किया है। अगरकर जून 2023 से भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता बने हुए हैं। उनके रहते टीम इंडिया ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। साल 2025 में आईपीएल से पहले उनका कॉन्ट्रैक्ट रीन्यू हुआ था। उन्हें बीसीसीआई ने टी20 विश्वकप 2024 और चौंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने का इनाम दिया था। इसके अलावा टीम ने एशिया कप 2023 और 2025 भी अपने नाम किए। सीमित ओवरों में टीम का रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है, जहां भारत ने 33 में से सिर्फ दो मुकाबले गंवाए हैं। इन उपलब्धियों ने अगरकर के कार्यकाल विस्तार के दावे को और मजबूत बना दिया है। न्यूज एजेंसी आईएएनएस ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया– इस महीने भारत द्वारा टी20 विश्वकप में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद, एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने बोर्ड से 2027 विश्व कप तक अपने अनुबंध को और बढ़ाने का अनुरोध किया है। हालांकि, टेस्ट क्रिकेट में टीम का प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा। घरेलू सीरीज में हार और विदेश में बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी गंवाने जैसी घटनाओं ने चयन समिति के फैसलों पर सवाल भी खड़े किए हैं। यही कारण है कि बोर्ड

के भीतर इस विस्तार को लेकर अलग–अलग राय सामने आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई फिलहाल इस मांग पर विचार कर रहा है। अंदरखाने चर्चा यह भी है कि वेस्ट जोन का एक पूर्व भारतीय खिलाड़ी इस पद के लिए दावेदार हो सकता है, लेकिन अभी तक कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया है। यह साफ है कि अगरकर के भविष्य को लेकर बोर्ड में गंभीर मंथन जारी है। अगरकर के कार्यकाल में टीम इंडिया में बड़े बदलाव भी देखने को मिले। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने अलग–अलग फॉर्मेट से संन्यास लिया। हालांकि, रोहित और कोहली अभी भी वनडे टीम का हिस्सा हैं, जबकि अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को पूरी तरह अलविदा कह दिया है।

एयरस्ट्राइक के जख्मों पर मरहम! अफगान खिलाड़ियों ने पीड़ितों से मिलकर दिया इंसानियत का संदेश

काबुल,एजेंसी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हुए भीषण हवाई हमलों के बाद हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान द्वारा किए गए एयरस्ट्राइक में 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक अस्पताल भी निशाना बना। इसके अलावा, कुनार प्रांत में भी पिछले 24 घंटों में 124 रॉकेट दागे गए, जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए। इस दर्दनाक घटना के बीच अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी और राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी पीड़ितों से मिलने अस्पताल पहुंचे। टीम के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी, उनके साथ गुलबदीन नईब और कायस अहमद ने वजीर अकबर खान और काबुल इमरजेंसी अस्पताल का दौरा किया। खिलाड़ियों ने घायलों का हाल जाना, उनके परिवारों से मुलाकात की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस पहल को अफगान क्रिकेट समुदाय में एकजुटता और सहानुभूति के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। इस हमले को लेकर स्टार ऑलराउंडर राशिद खान ने भी गहरी नाराजगी और दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, शर्मे काबुल में नागरिकों की मौत की खबरों से बेहद दुखी हूं। नागरिक इलाकों, स्कूलों या अस्पतालों को निशाना बनाना युद्ध अपराध है। रमजान के पवित्र महीने में इंसानी जिंदगी की अनदेखी बेहद चिंताजनक है। मैं संयुक्त

राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों से अपील करता हूं कि इस घटना की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों को सजा मिले। हम अपने लोगों के साथ खड़े हैं और एक राष्ट्र के रूप में फिर उठ खड़े होंगे।

इस हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है और पूरे मामले की जांच की मांग की है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस घटना की निंदा हो रही है और जवाबदेही तय करने की बात कही जा रही है। काबुल के अलावा कुनार प्रांत में भी हालात बिगड़ते जा रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, रॉकेट हमलों के कारण करीब 7,500 परिवारों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा है। सूचना विभाग के प्रमुख जिया–उल–रहमान ने कहा, श्पाकिस्तानी सेना ने डूरंड लाइन के पास 124 रॉकेट हमले किए। भले ही कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन कई परिवारों को विस्थापित होना पड़ा। इन हमलों के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव और बढ़ गया है। दोनों पक्ष एक–दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता का खतरा और गहरा गया है। अफगान क्रिकेटरों का यह मानवीय कदम ऐसे समय में उम्मीद की किरण बनकर सामने आया है, जब देश मुश्किल दौर से गुजर रहा है।

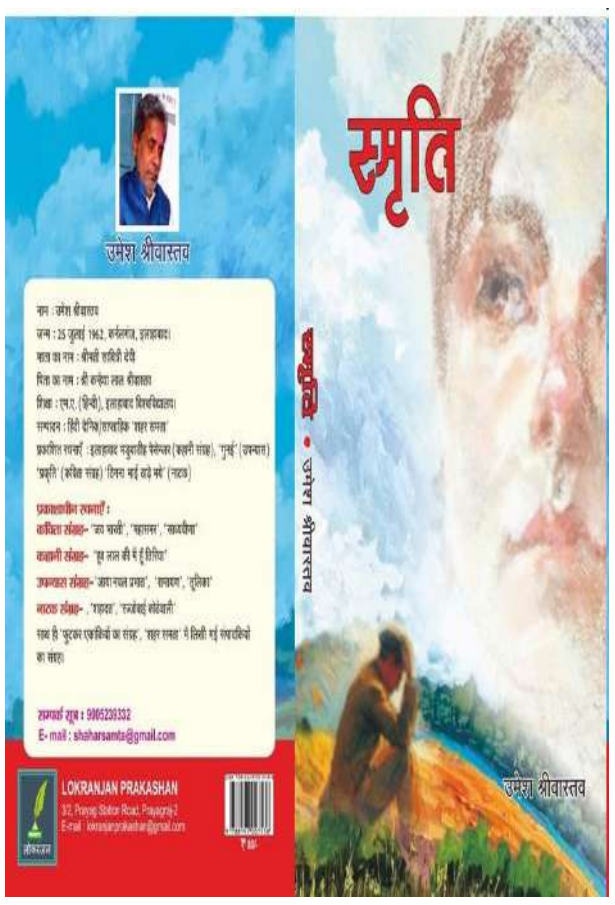

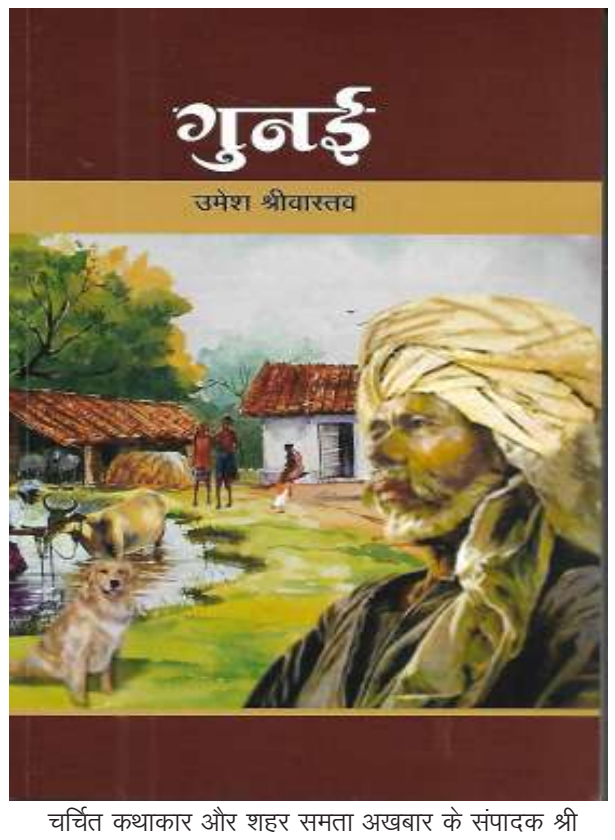

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

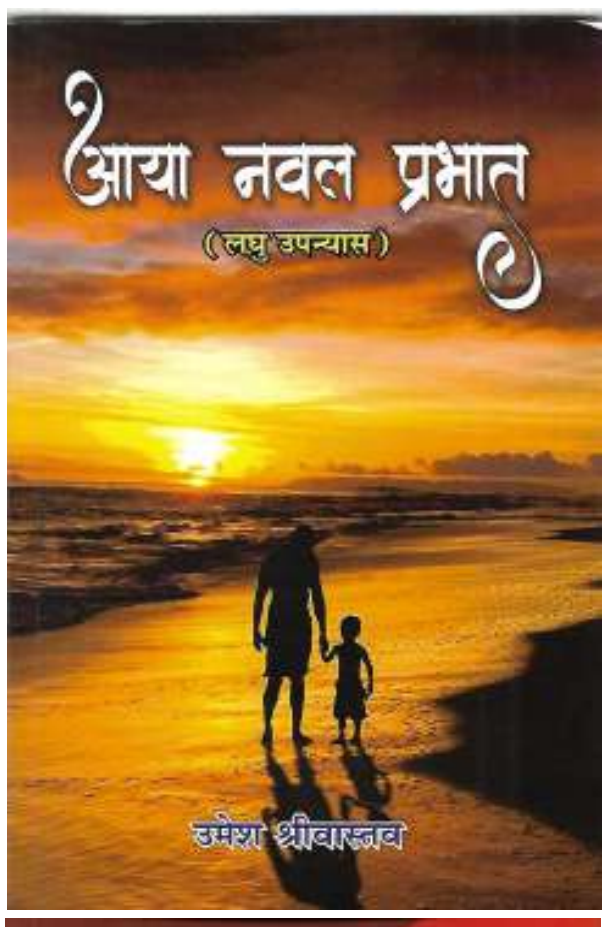

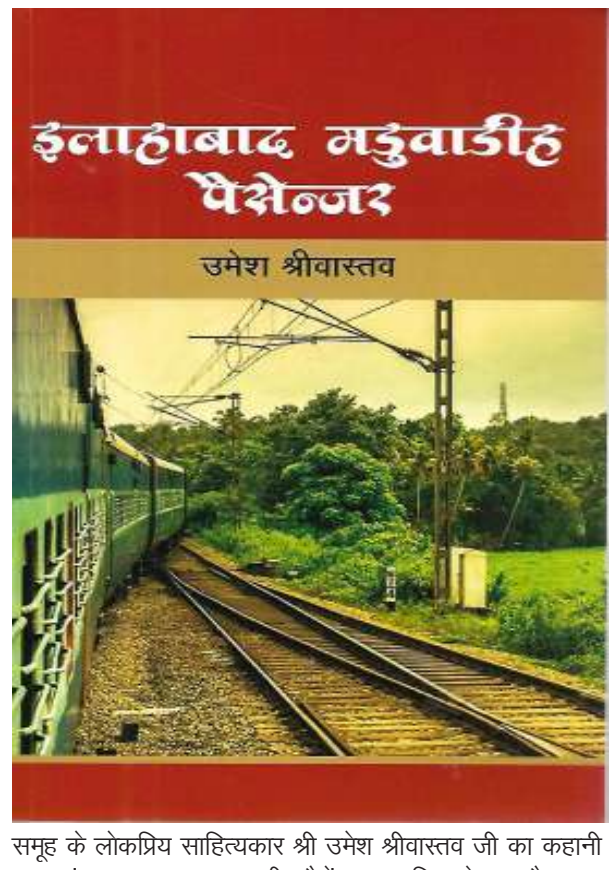

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

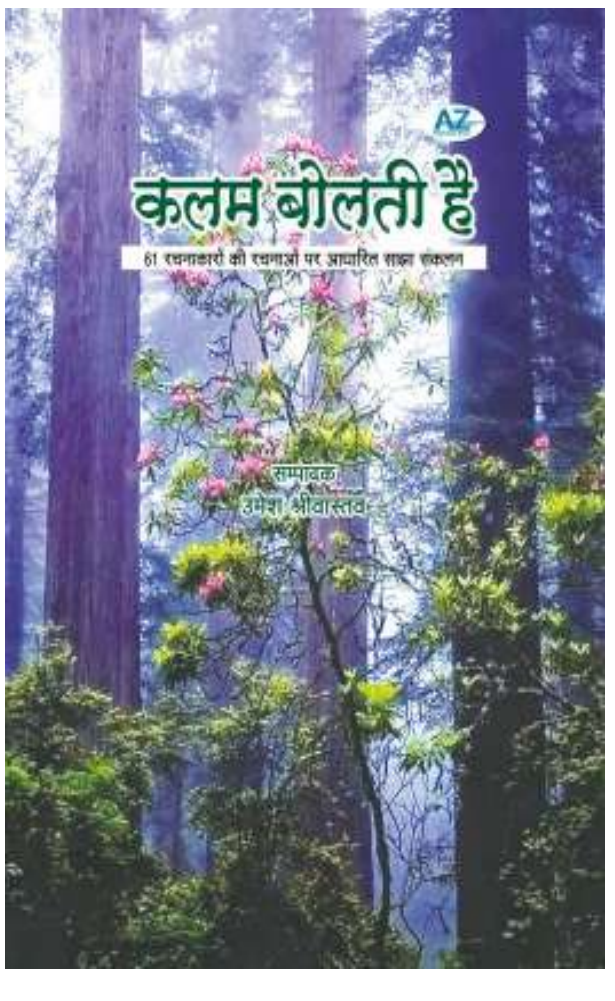

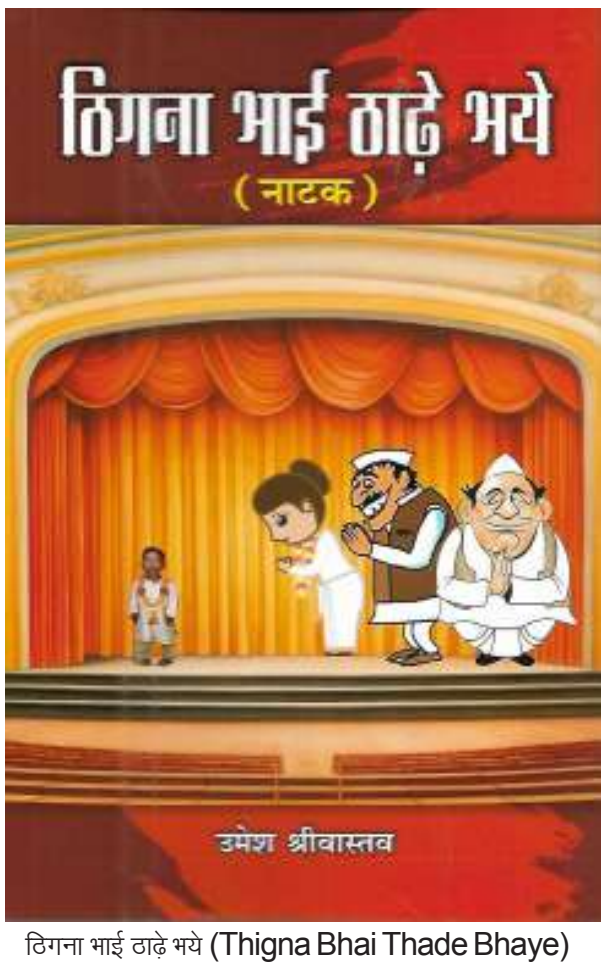

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ट्रंप ने कहा- इस्राइल तब तक शांत, जब तक ईरान.., क्या कतर में LNG संयंत्र पर हमले से बदला US का रुख ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि इस्राइल अब ईरान के कीमती साउथ पार्स गैस फील्ड पर तब तक हमला नहीं करेगा, जब तक ईरान किसी बेकसूर देश पर हमला करने का फैसला नहीं करता। ट्रंप का यह बयान तब आया है जब ईरान ने कतर के ऊर्जा ठिकानों पर हमले कर भारी नुकसान पहुंचाया है। दरअसल, इस्राइल ने पहले ईरान के उस गैस फील्ड पर हमला किया था जिसे वह कतर के साथ साझा करता है। इसके जवाब में ईरान ने कतर के ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि इस्राइल ने मध्य पूर्व के युद्ध के गुस्से में आकर ईरान के गैस फील्ड पर हमला किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस हमले के बारे में अमेरिका को पहले से कोई जानकारी नहीं थी। ट्रंप के अनुसार, इस्राइल ने ईरान के एक बड़े गैस ठिकाने के केवल एक छोटे हिस्से को निशाना बनाया था। उन्होंने कहा कि कतर का इस हमले से कोई लेना–देना नहीं था, लेकिन ईरान ने बिना सोचे–समझे कतर के एलएनजी प्लांट पर हमला कर दिया, जो पूरी तरह गलत है। ट्रंप ने कहा, अगर ईरान ने दोबारा कतर पर हमला है तो अमेरिका चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने धमकी दी कि ऐसी स्थिति में अमेरिका, इस्राइल की मदद या सहमति के बिना भी, ईरान के पूरे साउथ पार्स गैस फील्ड को पूरी तरह तबाह कर देगा। ट्रंप ने कहा कि वे इतनी बड़ी हिंसा और तबाही नहीं चाहते क्योंकि इसके परिणाम भविष्य में ईरान के लिए बहुत बुरे होंगे, लेकिन कतर की सुरक्षा के लिए वे कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेंगे। कतर की सरकारी कंपनी कतर एनर्जी ने बताया कि ईरानी मिसाइल हमलों से उनके गैस ठिकानों को काफी नुकसान पहुंचा है। वहां कई जगहों पर भीषण आग लग गई है, जिसे बुझाने का काम जारी है। हालांकि, अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। कतर दुनिया के लिए प्राकृतिक गैस का एक बहुत बड़ा स्रोत है। इस हमले के विरोध में कतर ने कड़ा रुख अपनाते हुए ईरानी दूतावास के अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दे दिया है। ईरान ने केवल कतर ही नहीं, बल्कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के हबशान और बाब गैस क्षेत्रों पर भी हमले किए हैं। यूएई सरकार ने इसे युद्ध को एक खतरनाक मोड़ पर ले जाने वाली हरकत बताया है। सुरक्षा कारणों से वहां गैस उत्पादन का काम फिलहाल रोक दिया गया है। बता दें कि खाड़ी देश युद्ध की शुरुआत से ही ईरानी हमलों का सामना कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अब तक ईरान के खिलाफ कोई सीधी सैन्य कार्रवाई नहीं की है। इन हमलों का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 5 प्रतिशत और बढ़ गई हैं। अब तेल की कीमत 108 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से तेल की कीमतों में करीब 50 प्रतिशत का उछाल आ चुका है। इस युद्ध के चलते ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री रास्ते को भी प्रभावित किया है, जहां से दुनिया का 20 प्रतिशत तेल गुजरता है। तेल की कमी को पूरा करने और बाजार मे स्थिरता के लिए लिए ट्रंप प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है। अमेरिकी वित्त विभाग ने वेनेजुएला पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी है। अब अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला की सरकारी तेल कंपनी के साथ व्यापार कर सकेंगी ताकि बाजार में तेल की सप्लाई बढ़ाई जा सके और कीमतों को काबू में किया जा सके।

संक्षिप्त

अमेरिकी सैन्य बेस के पास संदिग्ध ड्रोन दिखने से हड़कंप, हेगसेथ-रुबियो वहीं थे मौजूद

एजेंसी/पश्चिम एशिया संकट गहराता जा रहा है और पश्चिम एशिया के विभिन्न देश इसकी जद में हैं। अब इसकी

आंच अमेरिका की जमीन तक पहुंचती दिख रही है। दरअसल गुरुवार को अमेरिका के एक सैन्य अड्डे के ऊपर संदिग्ध ड्रोन मंडराता दिखाई दिया। जिस सैन्य अड्डे पर ड्रोन मंडरा रहा था, उस सैन्य अड्डे में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के आवास हैं। यही वजह है कि इस घटना के बाद अमेरिका में हड़कंप मच गया है। वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, वॉशिंगटन स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे फोर्ट मैकनेयर के ऊपर संदिग्ध ड्रोन दिखाई दिया। हालांकि अभी तक पता नहीं चल सका है कि यह ड्रोन कहां से आया था। इस घटना के बाद मार्को रुबियो और पीट हेगसेथ के आवास इस सैन्य अड्डे से स्थानांतरित करने की चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि अभी तक इसे लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वॉशिंगटन में सैन्य अड्डे के ऊपर संदिग्ध ड्रोन देखे जाने के बाद व्हाइट हाउस के उच्च अधिकारियों ने बैठकें की। घटना के बाद अमेरिका में अलर्ट है। ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी और कई अन्य वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की मौत के बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई की आशंका को देखते हुए अमेरिका में हाई अलर्ट है। अमेरिकी सैन्य ठिकानों की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। अमेरिका के राजनयिक मिशनों के लिए भी सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। अमेरिका का फोर्ट मैकनेयर सैन्य अड्डा, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और पेंटागन के कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों का घर है। यहां आमतौर पर अमेरिकी सरकार के लोग नहीं रहते, लेकिन फिलहाल सुरक्षा चिंताओं के चलते कई नेता इस सैन्य अड्डे को अपना ठिकाना बनाए हुए हैं। यह सैन्य अड्डा अमेरिकी संसद और व्हाइट हाउस के करीब स्थित है।

'ट्रंप दुनिया के सबसे ताकतवर नेता, वे किसी के दबाव में नहीं', जो केंट के आरोपों पर व्हाइट हाउस का जवाब

वॉशिंगटन , एजेंसी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने साफ कर दिया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी दूसरे देश के इशारे पर काम नहीं करते। उन्होंने कहा कि ट्रंप दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के नेता हैं और वे केवल अमेरिका के हित को ध्यान में रखकर ही फैसले लेते हैं। लेविट का यह बयान नेशनल

काउंटर टेररिज्म सेंटर के डायरेक्टर जो केंट के इस्तीफे के बाद आया है। जो केंट ने अपने पद से हटने के बाद गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि अमेरिका ने इस्राइल और वहां की ताकतवर लॉबी के दबाव में आकर ईरान के साथ युद्ध शुरू किया है। केंट ने यह भी दावा किया था कि ट्रंप को कोई दूसरा देश नियंत्रित कर रहा है। इन आरोपों पर पलटवार करते हुए लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ने जो केंट को देश की सेवा करने का मौका दिया था। लेकिन उन्होंने झूठ से भरे एक लेटर के साथ इस्तीफा दे दिया। लेविट के अनुसार, ट्रंप दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के सेना के प्रमुख हैं और उन्हें कोई नहीं बताता कि क्या करना है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति ईरान को आतंकवाद का समर्थक नहीं मानता, वह आतंकवाद विरोधी विभाग का प्रमुख नहीं हो सकता। लेविट ने बताया कि ईरान बहुत तेजी से बैलिस्टिक मिसाइलें बना रहा था ताकि वह परमाणु बम तैयार कर सके। अमेरिकी खुफिया जानकारी के अनुसार, ईरान अमेरिकी सैनिकों और ठिकानों पर हमला करने की योजना बना रहा था। इसलिए ट्रंप ने अपनी सेना और संपत्ति की सुरक्षा के लिए ईरान पर हमले का फैसला लिया। चीन यात्रा के बारे में लेविट ने बताया कि ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की टीमें नई तारीख तय करने पर काम कर रही हैं। मई में ट्रंप के कुछ जरूरी घरेलू कार्यक्रम हैं, इसलिए फिलहाल यह यात्रा टाल दी गई है। उन्होंने कहा कि शी जिनपिंग भी काफी व्यस्त हैं, इसलिए जल्द ही दोनों पक्ष मिलकर नई तारीखों का एलान करेंगे। जब लेविट से पूछा गया कि क्या जो केंट के इस्तीफे से नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड की नौकरी को कोई खतरा है, तो उन्होंने इससे इनकार किया।

एपस्टीन फाइल्स विवाद पर अमेरिकी संसद में हंगामा, डेमोक्रेट्स सांसदों ने सदन से किया वॉकआउट

वॉशिंगटन, एजेंसी।अमेरिकी संसद में बुधवार को एपस्टीन फाइल्स मामले पर जमकर हंगामा हुआ। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने बुधवार को न्याय विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा एपस्टीन फाइल्स विवाद में बंद कमरे में ब्रीफिंग देने के विरोध में संसद से वॉकआउट किया। डेमोक्रेट्स ने कहा कि अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को सवालों के जवाब देने होंगे क्योंकि उन्होंने इसकी शपथ ली है। अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी और डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश बुधवार को कैपिटल हिल पहुंचे थे, जहां उन्होंने एपस्टीन के यौन तस्करी मामले से जुड़ी लाखों फाइलों के प्रबंधन को लेकर बढ़ती नाराजगी को शांत करने की कोशिश की।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

खाड़ी में कई रिफाइनरी बनी निशाना, अब तक 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत

तेहरान,एजेंसी। ईरान ने गुरुवार को खाड़ी क्षेत्र के अरब पड़ोसी देशों के ऊर्जा ठिकानों पर अपने हमले तेज कर दिए। यह कदम इस्राइल की ओर से उसके मुख्य अपतटीय गैस क्षेत्र पर किए गए हमले के जवाब में उठाया गया। ईरान ने लाल सागर में सऊदी अरब की एक रिफाइनरी पर हमला किया और कतर की एलएनजी सुविधाओं तथा कुवैत की दो तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाया। इससे पश्चिम एशिया में जारी युद्ध गंभीर स्थिति में पहुंच गया है और दुनियाभर में ईंधन की कीमतें तेजी से वृद्धि हुई है। अंतरराष्ट्रीय मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत 114 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। 28 फरवरी को इस्राइल और अमेरिका ने ईरान पर हमले शुरू किए थे, इसके बाद से इसमें 57 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है। ऊर्जा संकट की आशंका के कारण बाजारों में चिंता बढ़ गई है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तट के पास एक जहाज में आग लग गई और कतर के पास एक अन्य जहाज को नुकसान पहुंचा। इससे होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे की ओर ध्यान गया, जहां से दुनिया के तेल का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है और जिस पर ईरान का प्रभाव है। सऊदी अरब पहले ही इस जलमार्ग से बचने के लिए तेल को पश्चिम की ओर लाल सागर के रास्ते भेज रहा था, लेकिन यनबू शहर में स्थित उसकी सैमरेफ रिफाइनरी पर ईरानी ड्रोन हमले के बाद इस रास्ते की सुरक्षा पर भी सवाल उठ गए हैं। कतर ने बताया कि उसकी एक बड़ी एलएनजी सुविधा में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। इससे पहले के हमलों के कारण उत्पादन पहले ही बंद था, लेकिन नए हमलों से वहां और ज्यादा नुकसान हुआ है। इससे युद्ध खत्म होने के बाद भी कतर की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। कतर दुनिया के लिए प्राकृतिक गैस का एक बड़ा स्रोत है। कुवैत की मीना अल–अहमदी रिफाइनरी पर ड्रोन हमले से आग लग गई। हालांकि, किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह पश्चिम एशिया की सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से एक है। इसके कुछ ही समय बाद पास की मीना अब्दुल्ला रिफाइनरी में भी आग लग गई। अबू धाबी के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें हबशन गैस सुविधा और बाब फील्ड में काम बंद करना पड़ा। उन्होंने इसे ईरान के हमलों को खतरनाक बढ़ोतरी बताया। खाड़ी क्षेत्र के कई इलाकों में मिसाइल हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजे और इस्राइल ने भी कई बार ईरानी हमलों की चेतावनी दी। कतर, सऊदी अरब और यूएई ने इन हमलों की निंदा की है। सऊदी अरब के शीर्ष राजनयिक ने कहा कि इन हमलों से भरोसा पूरी तरह खत्म हो गया है। इसके बावजूद ईरान ने अपने हमले जारी रखे।

ईरान युद्ध के खिलाफ इस्तीफा देने वाले अधिकारी के खिलाफ जांच शुरू, खुफिया जानकारी लीक करने का शक

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान युद्ध के खिलाफ अपने पद से इस्तीफा देने वाले पूर्व वरिष्ठ आतंकवाद रोधी अधिकारी जो केंट की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। दरअसल उन पर शक है कि उन्होंने खुफिया जानकारी लीक की। अब अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई

ने इसकी जांच शुरू कर दी है कि क्या जो केंट ने गोपनीय जानकारी को अनुचित तरीके से साझा किया था? जो केंट ने मंगलवार को ही अपने पद से इस्तीफा दिया था, उसके बाद ही यह जांच शुरू हुई। केंट ने हाल ही में अमेरिका के नेशनल आतंकरोधी सेंटर के निदेशक पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने ईरान के साथ युद्ध को लेकर असहमति जताते हुए यह कदम उठाया था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी न्याय विभाग ने पिछले एक वर्ष में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कई जांच शुरू की हैं। इनमें पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कोमी और न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटेशिया जेम्स भी शामिल हैं। हालांकि, कई मामलों में अभियोजन पक्ष को अदालतों से झटका लगा है या आरोप तय कराने में मुश्किल आई है। जांच के दायरे में किन–किन पहलुओं की पड़ताल की जा रही है, इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। केंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक बयान में अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए ईरान पर सैन्य कार्रवाई पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि वे अंतरात्मा की आवाज के खिलाफ जाकर ईरान के साथ युद्ध का समर्थन नहीं कर सकते। उन्होंने अपने बयान में लिखा कि ईरान से अमेरिका को कोई तात्कालिक खतरा नहीं था और यह युद्ध इस्राइल और उसकी प्रभावशाली अमेरिकी लॉबी के दबाव में शुरू किया गया। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्हें हमेशा लगता था कि केंट सुरक्षा के मुद्दे पर कमजोर हैं। उन्होंने कहा कि यदि उनकी टीम में कोई ईरान को खतरा नहीं मानता, तो ऐसे लोगों की हमें जरूरत नहीं है। ट्रंप प्रशासन के अन्य अधिकारियों, जिनमें सीआईए निदेशक जॉन रेटक्लिफ भी शामिल हैं, ने भी केंट के बयान से दूरी बना ली है। बुधवार रात केंट से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला।

'गैस फील्ड पर हमला हुआ तो करारा जवाब देंगे', कतर के ऊर्जा ठिकाने पर हमले के बाद ईरान की धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने क्षेत्र में अमेरिका से जुड़े तेल ठिकानों पर हमलों की जिम्मेदारी ली है। आईआरजीसी ने बताया कि ये हमले 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' के 63वें चरण का हिस्सा थे। ईरान ने यह कार्रवाई अमेरिका और इस्राइल के उन हमलों के जवाब में की है जो पिछले दिनों ईरान पर हुए थे। ईरानी सेना के जनसंपर्क कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि यह हमला ईरान के खुफिया मंत्री इस्माइल खतीब और अन्य साथियों की शहादत का बदला लेने के लिए भी थी। ईरान ने साफ किया कि उसका शुरुआती इरादा तेल ठिकानों पर हमला करने या पड़ोसी देशों की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का नहीं था। लेकिन जब दुश्मन ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया, तो ईरान को भी जवाबी हमला करना पड़ा। आईआरजीसी का कहना है कि अब यह युद्ध एक नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। ईरान की आईआरजीसी ने दावा किया है कि उसने इस्राइल के भीतर लगभग 80 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इनमें रिशोन लेजियन, रामला, लोद, ईलात और तेल अवीव के पास के कई महत्वपूर्ण इलाके शामिल हैं। इन हमलों में कई वारहेड वाली मिसाइलों और घातक ड्रोनों का इस्तेमाल किया गया। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके ऊर्जा ठिकानों पर फिर से हमला हुआ, तो वह दुश्मन के ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर देगा और अगला हमला इससे भी ज्यादा भयानक होगा। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने फिर से कतर की ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाया, तो अमेरिका ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड को पूरी तरह नष्ट कर देगा। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि कतर या अमेरिका को हालिया हमलों की कोई पूर्व जानकारी नहीं थी और ईरान ने गलतफहमी में कतर की एलएनजी सुविधा पर हमला किया है। उन्होंने ट्रुथ सोशलश पर लिखा कि इजरायल अब इस गैस फील्ड पर तब तक हमला नहीं करेगा, जब तक ईरान कतर जैसे निर्दोष देश को निशाना बनाना बंद रखता है। ट्रंप ने साफ किया कि वह ईरान में तबाही नहीं चाहते क्योंकि इसका भविष्य पर बुरा असर पड़ेगा, लेकिन कतर पर दोबारा हमला होने की स्थिति में वे सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे। इस बीच, ईरान के गैस फील्ड और कतर की ऊर्जा सुविधाओं पर हुए इन हमलों के कारण वैश्विक बाजार में तेल और गैस की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। फिलहाल इस तनावपूर्ण स्थिति का कोई शांतिपूर्ण समाधान निकलता दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे दुनिया भर में आर्थिक चिंताएं बढ़ गई हैं।

युद्ध की विभीषिका के बीच बीता रमजान: पश्चिम एशिया में तनाव के बीच खाड़ी देशों में ईद कल, विशेष प्रतिबंध लागू

दुबई, एजेंसी। खाड़ी देशों में इस बार ईद का त्योहार एक बेहद चुनौतीपूर्ण और अनिश्चित माहौल में मनाया जाने वाला है। आसमान में मिसाइलों और ड्रोनों की हलचल, सायरन की आवाजें और डर के बीच लोग शुक्रवार को ईद मनाने की तैयारी कर रहे हैं। यह दिन रोजों के महीने रमजान के समापन का प्रतीक है। पश्चिम एशिया के मौजूदा हालातों में ईद के दौरान कोई खास राहत मिलने की संभावना कम ही दिख रही हैं। बार–बार मिलने वाली चेतावनियों के कारण ज्यादातर परिवार घरों में ही रहने को मजबूर हैं। बच्चों की स्कूल की पढ़ाई ऑनलाइन चल रही है। हालांकि, डर के बावजूद कुछ लोग सामान्य जीवन जीने की कोशिश में बाजारों का रुख कर रहे हैं। अबू धाबी में रहने वाले एक भारतीय इंजीनियर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, कि लोग इस स्थिति के लंबे समय तक चलने वाले असर को लेकर चिंतित हैं। वहीं, जेद्दा में काम करने वाले एक भारतीय स्वास्थ्यकर्मी ने कहा कि यह एक बुरा दौर है जो जल्द ही बीत जाएगा। इस बीच सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने एलान किया है कि इस साल ईद की नमाज खुले मैदानों के बजाय केवल मस्जिदों के अंदर ही होगी। वहीं कतर ने भी सुरक्षा कारणों से घोषणा की है कि इस वर्ष की ईद–उल–फितर की नमाज पूरे देश की मस्जिदों में, इमारतों के अंदर ही अदा की जाएगी। प्रशासन का मकसद नमाजियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हालांकि इन सबके बावजूद, महिलाएं आखिरी समय की खरीदारी के लिए मॉल जा रही हैं। सरकारी अधिकारी एक–दूसरे को ईद की बधाई दे रहे हैं। प्रशासन आसमान की सुरक्षा के साथ–साथ जमीन पर भी व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिन–रात काम कर रहा है। हर कोई यही दुआ कर रहा है कि इस ईद के साथ युद्ध खत्म होने या कम से कम युद्धविराम की कोई अच्छी खबर आए। हालांकि, जो लोग किसी तरह हवाई जहाज की सीटें बुक करवाने में कामयाब रहे हैं और जिन्हें घर से काम करने की सुविधा मिली है उन्होंने अपने वतन वापस लौटने का ही फैसला किया है। बुधवार को पहले यह खबर आई थी कि एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने यूएई, सऊदी अरब और ओमान पर केंद्रित निर्धारित और गैर–निर्धारित सेवाएं चलाएंगी। क्योंकि खाड़ी के कुछ मार्ग अस्थायी रूप से निलंबित हैं। दोनों एयरलाइनों ने कहा कि वे जेद्दा (सऊदी अरब) और मस्कट (ओमान) के लिए निर्धारित उड़ानें जारी रखेंगी, जिसमें भारत और जेद्दा के बीच 16 उड़ानें शामिल हैं। ताकि लोग अपने वतन लौट सकें। इस संकट की शुरुआत 28 फरवरी को हुई थी, जब इस्राइल और अमेरिका ने ईरान पर हमला किया था। इसके बाद से पूरे खाड़ी क्षेत्र में हत्याओं, बमबारी और जवाबी हमलों का सिलसिला शुरू हो गया। इस युद्ध का असर अब पूरी दुनिया पर दिखने लगा है।

'उकसाया गया तो देंगे जवाब, खाड़ी देशों पर हमले बर्दाश्त नहीं', सऊदी अरब की ईरान को दो टूक

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने ईरान के साथ चल रहे संघर्ष के बीच अपनी प्राथमिकताएं साफ कर दी हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद ने कहा है कि उनका सबसे पहला लक्ष्य खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों को रोकना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका देश क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने पर ध्यान दे रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर उकसाया गया, तो सऊदी अरब ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।